डाक पंजीयन क्रमांक : MP/HSD/51/2026-28

हरदा से प्रकाशित साप्ताहिक अखबार ■ प्रति बुधवार

शब्द सांसा

खबरों का आईना

RNI - MPHIN/2017/74252

वर्ष-10, अंक-50, पृष्ठ-8, मूल्य-2 रुपए email: ramnema81@gmail.com हरदा, बुधवार 22 अप्रैल 2026

सार-समाचार

अपने 7 बच्चों समेत 8 की हत्या की

लुइसियाना। अमेरिका के लुइसियाना राज्य के श्रेवेपोर्ट शहर में एक शख्स ने 8 बच्चों की गोली मारकर हत्या कर दी। पुलिस के मुताबिक इनमें से 7 उसके ही बच्चे थे। अमेरिका में इस साल की यह सबसे बड़ी मास शूटिंग की घटना मानी जा रही है। यह घटना वेस्ट 79वीं स्ट्रीट के 300 ब्लॉक में हुई। आरोपी का नाम शमार एल्किंस (31 साल) है। पुलिस ने बताया कि 7 बच्चों को घर के अंदर गोली मारी गई, जबकि एक बच्चे को छत पर गोली लगी, जब वह जान बचाने के लिए भागने की कोशिश कर रहा था। हमले में असॉल्ट-स्टाइल हथियार का इस्तेमाल किया गया। इसे घरेलू विवाद से जुड़ा मामला बताया जा रहा है। पुलिस ने मृतकों की पहचान जयला एल्किंस (3), शायला एल्किंस (5), कायला प्यू (6), लैला प्यू (7), मरकेडॉन प्यू (10), सारियाह स्नो (11), खेडारियन स्नो (6) और ब्रेलॉन स्नो (5) के रूप में की है। इस हमले में 13 साल का लडका भी घायल हुआ, जो जान बचाने के लिए घर से भागा और छत से कूद गया।

अमित जोगी को सुप्रीम-कोर्ट से राहत नहीं

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ के बहुचर्चित रामावतार जग्गी हत्याकांड में पूर्व सीएम अजीत जोगी के बेटे अमित जोगी को सुप्रीम कोर्ट से राहत नहीं मिली है। सुप्रीम कोर्ट ने अब दोनों मामलों की संयुक्त सुनवाई 23 अप्रैल को तय किया है। अमित जोगी की ओर से दो आदेशों को चुनौती दी गई थी। पहला, जिसमें सीबीआई को अपील करने की अनुमति दी गई और दूसरा, हाईकोर्ट का वह फैसला, जिसमें उन्हें हत्या का दोषी ठहराते हुए उम्रकैद की सजा सुनाई गई। अब दोनों मामले की एक साथ सुनवाई होगी। इससे पहले हाईकोर्ट ने 6 अप्रैल को अमित जोगी को आइपीसी की धारा 302 और 120-बी के तहत दोषी ठहराते हुए उम्रकैद की सजा दी गई थी। 3 हफ्ते में सरेंडर करने का आदेश दिया था। इसके खिलाफ जोगी ने सुप्रीम कोर्ट में अपील दायर की थी।

उद्घाटन से पहले रिफाइनरी में लगी आग

बाड़मेर। बालोतरा की पचपदरा रिफाइनरी में उद्घाटन से एक दिन पहले आग लग गई। सोमवार दोपहर 2 बजे रिफाइनरी की क्रूड डिस्टिलेशन यूनिट में आग लगी। धुएं का गुबार उठने पर कर्मचारियों ने फायर सेफ्टी सिस्टम चालू कर दिया। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की गाडि?ां भी मौके पर पहुंचीं। आग बुझाने के प्रयास शुरू कर दिए हैं। सुरक्षा कारणों से पूरे क्षेत्र को खाली करा लिया है। कर्मचारियों को सुरक्षित बाहर निकाला गया है। फिलहाल किसी के हताहत होने की कोई सूचना नहीं है।अधिकारियों ने बताया कि आग पर पूरी तरह नियंत्रण पाने के बाद ही नुकसान और इसके कारणों का आकलन किया जा सकेगा। घटना के बाद पूरे इलाके में सतर्कता बढ़ा दी गई है। बता दें मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पचपदरा रिफाइनरी का उद्घाटन करने वाले थे।

3 घंटे हवा में रही हैदराबाद-हुबली फ्लाइट

बेंगलुरु। हैदराबाद से हुबली जा रही एफएलआई 491 की एक फ्लाइट को खराब मौसम के कारण बेंगलुरु डायवर्ट करना पड़ा। एयरपोर्ट अधिकारियों के मुताबिक सभी 22 यात्री सुरक्षित हैं। फ्लाइट रविवार दोपहर करीब 3 बजे हैदराबाद से रवाना हुई थी। शाम करीब 4:30 बजे हुबली पहुंचने वाली थी, लेकिन खराब मौसम के कारण विमान लैंड नहीं कर सका। फ्लाइट करीब तीन घंटे तक हवा में रही। हुबली में एक घंटे तक आसमान में चक्कर लगाने के बाद फ्लाइट को बेंगलुरु डायवर्ट किया गया, जहां यह शाम करीब 6:30 बजे उतरी। बाद में हालात सामान्य होने पर रात करीब 11 बजे इसे हुबली के लिए रवाना किया गया। फ्लाइट के अंदर के कुछ वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आए है।

मिडिल ईस्ट युद्ध से धीमी हुई एशिया की रफ्तार

तेल-गैस सप्लाई रुकी, फैक्ट्रियां ठप, आर्थिक दबाव में कई देश

वॉशिंगटन। ईरान में 28 फरवरी से शुरू हुआ युद्ध एशिया-प्रशांत इलाके पर उम्मीद से कहीं ज्यादा तेजी से और ज्यादा असर डाल रहा है। शुरूआत में लगा था कि तेल और गैस की कमी का असर धीरे-धीरे दिखेगा, लेकिन हकीकत में कई देशों की अर्थव्यवस्था और आम जिंदगी पर अचानक बड़ा झटका लगा है। कई विशेषज्ञ इसकी तुलना कोविड जैसे बड़े संकट से कर रहे हैं। भले ही जल्द शांति समझौता हो जाए, लेकिन इस पूरे क्षेत्र पर इसका असर लंबे समय तक रहने वाला है। आने वाले महीनों में उड़ानें रद्द होने, खाने-पीने की चीजों के दाम बढ?, फैक्ट्रियों के रुकने, सामान की सप्लाई में देरी और बाजारों में रोजमर्रा की चीजों की कमी देखने को मिल सकती है। इसमें प्लास्टिक बैग, इंस्टेंट नूडल्स, वैक्सीन, सिरिंज, लिपस्टिक, माइक्रोचिप और स्पोर्ट्सवियर जैसी चीजें भी शामिल हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि अगर मिडिल ईस्ट के रास्तों से व्यापार कुछ और हफ्तों तक बाधित रहा, तो कई देशों में हालात बिगड़ सकते हैं, अशांति फैल सकती है और मंदी आ सकती है। कई कंपनियां दिवालिया होने के कगार पर हैं और सरकारें महंगाई को काबू में रखने के लिए

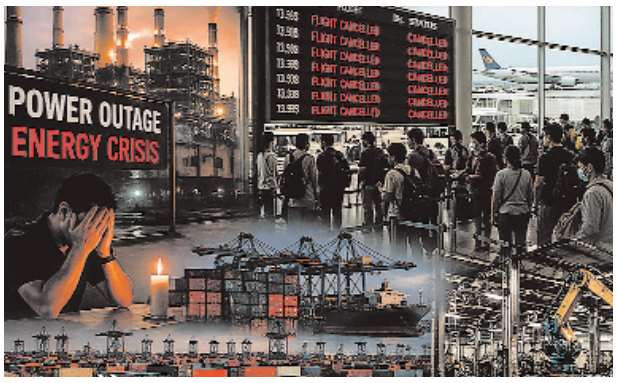

भारी कर्ज ले रही हैं। संयुक्त राष्ट्र के अनुमान के मुताबिक, साल के अंत तक एशिया में लाखों लोग गरीबी में जा सकते हैं। भारत से श्रीलंका तक आर्थिक संकट का खतरा अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के मुताबिक, दुनिया की अर्थव्यवस्था लगभग हर जगह धीमी हो रही है क्योंकि दुनिया के करीब 20 प्रतिशत तेल की सप्लाई बाजार से बाहर हो गई है। मिडिल ईस्ट से आने वाला तेल-गैस रुकने से पूरे एशिया की सप्लाई चेन हिल गई है। एशिया-प्रशांत पर सबसे ज्यादा असर इसलिए पड़ा क्योंकि यह क्षेत्र मिडिल ईस्ट के तेल और गैस पर बहुत ज्यादा निर्भर है, यहां की अर्थव्यवस्था आपस में गहराई से जुड़ी है और पहले से ही ऊर्जा की मांग ज्यादा थी जबकि सप्लाई कम पड़ रही थी। यहां तक कि अगर होर्मुज की समस्या कल ही ठीक भी हो जाए तो भी तेल और गैस की सप्लाई को पहले जैसे स्तर पर आने में सालों लग सकते हैं। चीन जैसे अमीर देशों पर असर थोड़ा कम होगा क्योंकि उनके पास ज्यादा संसाधन हैं, लेकिन बाकी एशिया में हालात ज्यादा खराब हैं। कई देशों की असली स्थिति उतनी अच्छी नहीं है जितनी दिखाई जा रही है। वियतनाम के किसान, भारत के मजदूर, श्रीलंका के होटल मालिक, फिलीपींस के ड्राइवर और हांगकांग-सिंगापुर के कारोबारी सबकी चिंता बढ़ी हुई है। कई सरकारें बाहर से शांत दिखने की कोशिश कर रही हैं, लेकिन अंदर ही अंदर हालात संभालना मुश्किल हो रहा है। ट्रांसपोर्ट, मैन्युफैक्चरिंग और रोजगार ये तीनों बड़े सेक्टर एक साथ दबाव में हैं।

एक संकट से कई संकट

विशेषज्ञों के मुताबिक, यह डोमिनो इफेक्ट तेजी से फैल रहा है। यानी कि एक समस्या दूसरी समस्या को जन्म दे रही है। प्लास्टिक की कमी से ब्यूटी प्रोडक्ट्स की सप्लाई घट रही है, खाद की कमी से वियतनाम में खेती प्रभावित हो रही है और ऑस्ट्रेलिया में मांस की कमी का खतरा बढ़ गया है। इसका सबसे बड़ा असर आम लोगों पर पड़ रहा है। संयुक्त राष्ट्र के मुताबिक, एशिया-प्रशांत में करीब 88 लाख लोग गरीबी में जा सकते हैं, जिनमें से लगभग 50 लाख सिर्फ ईरान में होंगे। रोजगार कम हो रहा है, खर्च बढ़ रहा है और दवाइयों व वैक्सीन की सप्लाई भी प्रभावित हो रही है।

ईरान में सुपर पावर बने मेजर जनरल वाहिदी!

तेहरान। ईरान से इस वक्त एक ऐसी खबर आ रही है जिसने पूरी दुनिया की चिंता बढ़ा दी है। ईरान में पर्दे के पीछे चल रही सत्ता की जंग अब खुलकर सामने आ गई है। एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि ईरान की कूटनीति और उसकी सैन्य मशीनरी पर अब पूरी तरह से इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स का कब्जा हो गया है। आईआरजीसी कमांडर मेजर जनरल अहमद वाहिदी अब ईरान के सबसे ताकतवर शख्स बनकर उभरे हैं। उन्होंने न केवल देश के सैन्य तंत्र को अपने हाथ में ले लिया है, बल्कि अमेरिका के साथ होने वाली शांति वार्ताओं की डोर भी अब उनके और उनके करीबियों के हाथ में है। इस पूरी कवायद में ईरान के सर्वोच्च नेता मोज्तबा खामेनेई की मौन सहमति बताई जा रही है। इस पावर शिफ्ट का सबसे खतरनाक असर

स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में दिख रहा है। यहां ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची इस समुद्री रास्ते को खोलने पर सहमत होते दिख रहे थे, वहींआईआरजीसी ने इस फैसले को पलट दिया है। वाहिदी के आदेश पर ईरान की फास्ट अटैक शिप्स ने इस सामरिक रास्ते को पूरी तरह ब्लॉक कर दिया है। पिछले 48 घंटों में तीन जहाजों को निशाना बनाया गया है। इससे सैकड़ों जहाज फारस की खाड़ी में फंसे हुए हैं। हैरान करने वाली बात ये है कि ईरान के डेलिगेशन में शामिल कट्टरपंथी नेता मोहम्मद बागेर जोलगाद्र ने विदेश मंत्री अरागची की ही शिकायत कर दी। आरोप लगाया गया कि अरागची कूटनीति में नरमी बरत रहे हैं। नतीजा ये हुआ कि पूरी बातचीत टीम को वापस तेहरान बुला लिया गया। अब ईरान में नरमपंथियों की आवाज खामोश कर दी गई है। इस बदलाव के बाद अब अमेरिका के साथ किसी भी सार्थक बातचीत की गुंजाइश लगभग खत्म हो गई है। मंगलवार की डेडलाइन सिर पर है और सीजफायर की डोर बेहद कमजोर है।

ब्याज समेत 90 दिन में लौटाने हैं 13.8 लाख करोड़

वॉशिंगटन। अमेरिका में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के कार्यकाल में लगाए गए टैरिफ को अवैध ठहराने के बाद रिफंड की प्रक्रिया शुरू हो गई है। अमेरिकी कंपनियां सोमवार से नए ऑनलाइन पोर्टल के जरिए आवेदन कर सकती हैं। इसे अमेरिकी इतिहास का सबसे बड़ा टैरिफ रिफंड माना जा रहा है, जिसमें 166 अरब डॉलर (करीब 13.8 लाख करोड़ रुपए) लौटाए जाने हैं। रिफंड लौटाने का यह फैसला सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद लागू हुआ है। कोर्ट ने कहा था कि ट्रम्प प्रशासन ने आपातकालीन शक्तियों का गलत इस्तेमाल कर टैरिफ लगाए थे। इसके बाद कोर्ट ऑफ इंटरनेशनल ट्रेड ने इंपोर्टर्स को उनकी जमा राशि और ब्याज लौटाने के निर्देश दिए थे। इस फैसले के तहत करीब 3.3 लाख इंपोर्टर्स को राहत मिलेगी, जिन्होंने पिछले साल कार पार्ट्स से लेकर स्मार्टफोन तक पर भारी टैक्स चुकाया था। यूएस कस्टम्स एंड बॉर्डर प्रोटेक्शन ने कंसोलिडेटेड एडमिनिस्ट्रेशन एंड प्रॉसेसिंग ऑफ एंट्रीस (सीएपीई) नाम का नया पोर्टल लॉन्च किया है। यह एसीई (ऑटोमेटेड कमर्शियल एनवायरनमेंट) सिस्टम का हिस्सा है। इसके जरिए इंपोर्टर्स

सीएपीई डिक्लेरेशन दाखिल कर अपने क्लेम सबमिट कर सकेंगे, जिससे प्रक्रिया को तेज और सरल बनाने का दावा किया गया है। 60-90 दिनों में मिलेगा पैसा रिफंड पाने के लिए इंपोर्टर ऑफ रिकॉर्ड और अधिकृत कस्टम ब्रोकर्स को एसीई पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन करना होगा और बैंक अकाउंट डिटेल्स देनी होंगी। कस्टम्स एंड बॉर्डर प्रोटेक्शन के मुताबिक, सही और पूरी जानकारी वाले आवेदन पर 60-90 दिनों में भुगतान किया जा सकता है। दस्तावेजों में कमी या जांच की जरूरत होने पर देरी संभव है। पहले चरण में सीमित इंपोर्टर्स को राहत कस्टम्स एंड बॉर्डर प्रोटेक्शन ने साफ किया है कि पहले चरण में सभी इंपोर्टर्स को रिफंड नहीं मिलेगा। फिलहाल केवल अनलिक्विडेटेड एंट्रीज (जिनका टैक्स आकलन अभी पूरा नहीं हुआ) और 80 दिनों के भीतर की एंट्रीज को शामिल किया गया है। बाकी मामलों को आगे के चरणों में लिया जाएगा। कोर्ट में पेश आंकड़ों के अनुसार, करीब 3.3 लाख इंपोर्टर्स ने कुल 166 अरब डॉलर का टैरिफ भुगतान किया था। 9 अप्रैल तक इनमें से केवल 56,500 इंपोर्टर्स ने ही इलेक्ट्रॉनिक पेमेंट सिस्टम में रजिस्ट्रेशन कराया है, जो रिफंड पाने के लिए जरूरी है। न्यूयॉर्क फेडरल रिजर्व बैंक के मुताबिक, टैरिफ का लगभग 90प्रति. बोझ कंपनियों और उपभोक्ताओं ने मिलकर उठाया था।

संपादकीय

डिजिटल दावों और जमीनी हकीकत के बीच फंसी राजधानी

स्मार्ट बस शेल्टर पर रुकी हुई घड़ियां हों या थानों में धाराओं के साथ होता 'शिकायत का खेल', दिल्ली की व्यवस्था आज कई विरोधाभासों के बीच खड़ी है। 'बेदिल' द्वारा लिखे गए कॉलम में पढ़िए राजधानी के विभिन्न विभागों की कार्यसंस्कृति और उन जमीनी सच्चाइयों का कच्चा चिट्ठा, जो अक्सर सरकारी विज्ञापनों में नजर नहीं आतीं। आमतौर देखा जाता है कि थाने पहुंचो तो पहले इंतजार कराया जाता है और कहा जाता है कि अभी समय नहीं है, बाद में आओ। अगर पैरवीकार अड़ जाए, तो तुरंत सलाह मिलती है, ऑनलाइन कर दीजिए, आसान रहेगा। असल में यहीं से खेल शुरू होता है। ऑनलाइन शिकायत के नाम पर पीड़ित को ऐसी राह पर डाल दिया जाता है, जहां वह चाहकर भी अपनी बात सही धाराओं में दर्ज नहीं कर पाता। गंभीर मामला भी गुमशुदगी या हल्की धारा में सिमट जाता है। ऊपर से कानून और अदालत के चक्करों का डर अलग दिखाया जाता है। आखिरकार, थका-हारा फरियादी वही करता है जो उसे कहा जाता है। शिकायत तो दर्ज होती है, पर इस तरह कि न सच्चाई बचती है, न इंसाफ की उम्मीद। किसी ने ठीक ही कहा हैज्गलती छुपाए नहीं छिपती। ताजा किस्सा परिवहन विभाग का है, जहां एक अधिकारी की चूक बड़े साहब की नजर में आ गई। ऊपर से तो चुप्पी रही, लेकिन अंदर ही अंदर अच्छी खिंचाई हो गई। अब गुस्सा कहीं तो उतरना था, सो निशाना बने संविदा पर काम करने वाले छोटे कर्मचारी। उन्हें बुलाया गया और दो लोगों को बाहर का रास्ता दिखा दिया गया। वजह पूछी जाती, उससे पहले ही उनकी पुरानी गलतियों की फाइल खोल दी गई, ताकि फैसला जायज लगे। लेकिन मामला यहीं शांत नहीं हुआ। जिनके पास खोने को कम था, उन्होंने भी चुप रहने से इनकार कर दिया। फिर क्या था, उन्होंने भी उसी अधिकारी की गलतियों के पन्ने खोलने शुरू कर दिए। देखते ही देखते, छोटे से लेकर बड़े तक, सबकी परतें खुलने लगीं। अंत में यही साबित हुआ, गलती दबाने से नहीं दबती, बस मौका मिलते ही पूरे विभाग का आईना बन जाती है। मानक पूरे न करने पर बिजली काटने के सख्त फरमान जारी हुए, लेकिन जमीनी हकीकत कुछ और ही कहानी सुना रही है। ग्रेटर नोएडा के यूपीआईसीईजेड क्षेत्र में वाहन चार्जिंग केंद्रों की बिजली अर्थदंड जमा न होने पर कटवाई गई थी। कुछ दिन तक कार्रवाई का असर भी दिखा, बिजली गुल रही। फिर अचानक वही कनेक्शन कैसे जुड़ गए, इसका जवाब किसी के पास नहीं। प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अधिकारी आदेशों का हवाला देकर सख्ती की बात करते हैं, तो बिजली कंपनी बिना लिखित निर्देश के कुछ करने से इनकार करती है।

धधकती धरतीः विकास की दौड़ या विनाश की ओर?

लेखक- योगेश कुमार गोयल

दरअसल वास्तविकता यही है कि राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर प्रकृति के बिगड़ते मिजाज को लेकर चर्चाएं और चिंताएं तो बहुत होती हैं, तरह-तरह के संकल्प भी दोहराये जाते हैं किन्तु सुख-संसाधनों की अंधी चाहत, सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि, अनियंत्रित औद्योगिक विकास और रोजगार के अधिकाधिक अवसर पैदा करने के दबाव के चलते इस तरह की चर्चाएं और चिंताएं अर्थहीन होकर रह जाती हैं। ऐसे में पर्यावरण संरक्षण को लेकर लोगों में जागरूकता पैदान करने तथा पृथ्वी को बचाने के लिए प्रतिवर्ष 22 अप्रैल को 'विश्व पृथ्वी दिवस' मनाया जाता है।

प्रकृति पिछले कुछ समय से बार-बार भयानक आंधियों, तूफान और ओलावृष्टि के रूप में यह गंभीर संकेत देती रही है कि विकास के नाम पर हम प्रकृति से भयानक तरीके से जिस तरह का खिलवाड़ कर रहे हैं, उसके परिणामस्वरूप मौसम का मिजाज कब कहां किस कदर बदल जाए, कुछ भी भविष्यवाणी करना मुश्किल होता जा रहा है। ग्लोबल वार्मिंग के चलते दुनियाभर में मौसम का मिजाज किस कदर बदल रहा है, इसका अनुमान इसी से लगाया जा सकता है कि उत्तरी ध्रुव के तापमान में एक-दो नहीं बल्कि करीब 30 डिग्री तक की बढ़ोतरी देखी गई। मौसम की प्रतिकूलता साल दर साल किस कदर बढ़ती जा रही है, यह इसी से समझा जा सकता है कि कहीं भयानक सूखा तो कहीं बेमौसम अत्यधिक वर्षा, कहीं जबरदस्त बर्फबारी तो कहीं कड़ाके की ठंड, कभी-कभार ठंड में गर्मी का अहसास तो कहीं तूफान और कहीं भयानक प्राकृतिक आपदाएं, ये सब प्रकृति के साथ हमारे खिलवाड़ के ही दुष्परिणाम हैं और हमें यह सचेत करने के लिए पर्याप्त हैं कि अगर हम इसी प्रकार प्रकृति के संसाधनों का बुरे तरीके से दोहन करते रहे तो हमारे भविष्य की तस्वीर कैसी होने वाली है। हालांकि प्रकृति कभी समुद्री तूफान तो कभी भूकम्प, कभी सूखा तो कभी अकाल के रूप में अपना विकराल रूप दिखाकर हमें चेतावनी भी देती रही है किन्तु जलवायु परिवर्तन से निपटने के नाम पर वैश्विक चिंता व्यक्त करने से आगे हम शायद कुछ करना ही नहीं चाहते। हिन्दी अकादमी दिल्ली के सौजन्य से प्रकाशित पुस्तक 'प्रदूषण मुक्त सांसें' के अनुसार हम यह समझना ही नहीं चाहते कि पहाड़ों का सीना चीरकर हरे-भरे जंगलों को तबाह कर हम जो कंक्रीट के जंगल विकसित कर रहे हैं, वह वास्तव में विकास नहीं बल्कि विकास के नाम पर हम अपने विनाश का ही मार्ग प्रशस्त कर रहे हैं। पहाड़ों में बढ़ती गर्माहट के चलते हमें अक्सर घने वनों में भयानक आग लगने की खबरें सुनने को मिलती रहती हैं। पहाड़ों की इसी गर्माहट का सीधा असर निचले मैदानी इलाकों पर पड़ता है, जहां का पारा अब हर वर्ष बढ़ता जा रहा है।

धरती का तापमान यदि इसी प्रकार साल दर साल बढ़ता रहा तो आने वाले वर्षों में हमें इसके बेहद गंभीर परिणाम भुगतने को तैयार रहना होगा क्योंकि हमें यह बखूबी समझ लेना होगा कि जो प्रकृति हमें उपहार स्वरूप शुद्ध हवा, शुद्ध पानी, शुद्ध मिट्टी तथा ढ़ेरों जनोपयोगी चीजें दे रही है, अगर मानवीय क्रियाकलापों द्वारा पैदा किए जा रहे पर्यावरण संकट के चलते प्रकृति कुपित होती है तो उसे सब कुछ नष्ट कर डालने में पल भर की भी देर नहीं लगेगी। करीब दो दशक पहले देश के कई राज्यों में जहां अप्रैल माह में अधिकतम तापमान औसतन 32-33 डिग्री रहता था, अब वह 40 के पार रहने लगा है।

मौसम विभाग का तो अनुमान है कि अगले तीन दशकों में इन राज्यों में तापमान में वृद्धि 5 डिग्री तक दर्ज की जा सकती है और इसी प्रकार तापमान बढ़ता रहा तो एक ओर जहां जंगलों में आग लगने की घटनाओं में बढ़ोतरी होगी, वहीं धरती का करीब 20-30 प्रतिशत हिस्सा सूखे की चपेट में आ जाएगा तथा एक चौथाई हिस्सा रेगिस्तान बन जाएगा, जिसके दायरे में भारत सहित दक्षिण पूर्व एशिया, मध्य अमेरिका, दक्षिण आस्ट्रेलिया, दक्षिण यूरोप इत्यादि आएंगे।

सवाल यह है कि धरती का तापमान बढ़ते जाने के प्रमुख कारण क्या हैं? 'प्रदूषण मुक्त सांसें' पुस्तक के मुताबिक इसका सबसे अहम कारण है ग्लोबल वार्मिंग, जो तमाम तरह की सुख-सुविधाएं व संसाधन जुटाने के लिए किए जाने वाले मानवीय क्रियाकलापों की ही देन है। पैट्रोल, डीजल से उत्पन्न होने वाले धुएं ने वातावरण में कार्बन डाईऑक्साइड तथा ग्रीन हाउस गैसों की मात्रा को खतरनाक स्तर तक पहुंचा दिया है। पेड़-पौधे कार्बन डाईऑक्साइड को अवशोषित कर पर्यावरण संतुलन बनाने में अहम भूमिका निभाते रहे हैं लेकिन पिछले कुछ दशकों में वन-क्षेत्रों को बड़े पैमाने पर कंक्रीट के जंगलों में तब्दील किया जाता रहा है।

एक और अहम कारण है बेतहाशा जनसंख्या वृद्धि। जहां 20वीं सदी में वैश्विक जनसंख्या करीब 1.7 अरब थी, अब बढ़कर 8 अरब से भी ज्यादा हो चुकी है। अब सोचने वाली बात यह है कि धरती का क्षेत्रफल तो उतना ही रहेगा, इसलिए कई गुना बढ़ी आबादी के रहने और उसकी जरूरतें पूरी करने के लिए प्राकृतिक संसाधनों का बड़े पैमाने पर दोहन किया जा रहा है, इससे पर्यावरण की सेहत पर जो जबरदस्त प्रहार हुआ है, उसी का परिणाम है कि धरती बुरी तरह धधक रही है। ब्रिटेन के प्रख्यात भौतिक शास्त्री स्टीफन हॉकिंग की इस टिप्पणी को कैसे नजरअंदाज किया जा सकता है कि यदि मानव जाति की जनसंख्या इसी कदर बढ़ती रही और ऊर्जा की खपत दिन-प्रतिदिन इसी प्रकार होती रही तो करीब 600 वर्षों बाद पृथ्वी आग का गोला बनकर रह जाएगी।

न केवल भारत में बल्कि वैश्विक स्तर पर तापमान में लगातार हो रही बढ़ोतरी तथा मौसम का निरन्तर बिगड़ता मिजाज गंभीर चिंता का सबब बना है। हालांकि जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए विगत वर्षों में दुनियाभर में दोहा, कोपेनहेगन, कानकुन इत्यादि बड़े-बड़े अंतर्राष्ट्रीय स्तर के सम्मेलन होते रहे हैं किन्तु उसके बावजूद इस दिशा में अभी तक ठोस कदम उठते नहीं देखे गए हैं।

कृत्रिम बुद्धिमत्ताः सुविधा का वरदान या मूल्यों का संकट

लेखक - ललित गर्ग

समाज के चिंतकों, दार्शनिकों और आध्यात्मिक नेतृत्व ने समय-समय पर इस विषय पर चिंता व्यक्त की है और हाल ही में पोप लियो 14 द्वारा व्यक्त आशंकाओं ने इस चिंता को वैश्विक विमर्श का केंद्र बना दिया है। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि यदि इस तकनीक का उपयोग नैतिक मर्यादाओं से परे जाकर किया गया, तो यह विश्व में विभाजन, भय, हिंसा और संघर्ष को बढ़ावा दे सकती है।

यह चेतावनी केवल एक धार्मिक नेता की भावनात्मक प्रतिक्रिया नहीं है, बल्कि यह उस गहरी चिंता का संकेत है जो आज पूरी मानवता के भीतर कहीं न कहीं विद्यमान है। तकनीक अपने आप में न तो नैतिक होती है और न ही अनैतिक, किंतु उसका उपयोग उसे किसी भी दिशा में ले जा सकता है। वर्तमान समय में यह देखा जा रहा है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता का उपयोग केवल रचनात्मक और सकारात्मक कार्यों तक सीमित नहीं रह गया है। इसके माध्यम से झूठी सूचनाओं का निर्माण, नकली चित्रों और ध्वनियों का सृजन तथा जनमत को प्रभावित करने के प्रयास तेजी से बढ़े हैं। चुनावी प्रक्रियाओं में इसका उपयोग लोकतंत्र की जड़ों को कमजोर कर सकता है। जब कोई मतदाता यह समझ ही नहीं पाता कि जो वह देख रहा है या सुन रहा है वह सत्य है या निर्मित भ्रम, तब उसकी निर्णय क्षमता प्रभावित होती है। यह स्थिति लोकतांत्रिक संस्थाओं के प्रति विश्वास को कमजोर करती है। आज सोशल माध्यमों पर ऐसी अनेक घटनाएँ सामने आती हैं, जहाँ किसी व्यक्ति को नरेंद्र मोदी जैसे बड़े नेताओं के साथ दिखाया जाता है, जबकि वास्तविकता में ऐसा कभी हुआ ही नहीं होता।

यह केवल व्यक्तिगत भ्रम नहीं, बल्कि सामाजिक स्तर पर विश्वास की संरचना को कमजोर करने वाला प्रवाह है। जब झूठ और सत्य के बीच की रेखा धुंधली हो जाती है, तब समाज में संशय, अविश्वास और अस्थिरता का वातावरण बनता है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता का एक और चिंताजनक पक्ष है साइबर अपराधों में इसका बढ़ता उपयोग। आज अपराधी किसी व्यक्ति की आवाज की नकल करके उसके परिचितों को धोखा देने में सक्षम हो गए हैं। परिवार के सदस्य या अधिकारी बनकर धन की ठगी करना अब अत्यंत सरल हो गया है। इस प्रकार की घटनाओं ने अनेक लोगों की जीवन भर की कमाई को पल भर में समाप्त कर दिया है। यह केवल आर्थिक क्षति नहीं, बल्कि विश्वास और सुरक्षा की भावना पर गहरा आघात है। वित्तीय क्षेत्र में भी इस तकनीक का दुरुपयोग गंभीर संकट उत्पन्न कर सकता है। स्वचालित हमलों के माध्यम से बैंकिंग व्यवस्था की कमजोरियों का लाभ उठाया जा सकता है। यदि इस प्रकार के हमले व्यापक स्तर पर होते हैं, तो यह केवल व्यक्तिगत हानि तक सीमित नहीं रहेंगे, बल्कि राष्ट्रीय और वैश्विक अर्थव्यवस्था को भी अस्थिर कर सकते हैं।

यह स्थिति उस समय और भी गंभीर हो जाती है जब नियामक संस्थाएँ इन जटिल तकनीकों की गति और स्वरूप को समझने में पीछे रह जाती हैं। पर्यावरणीय दृष्टि से भी यह तकनीक पूरी तरह निर्दोष नहीं है। विशाल आंकड़ा केंद्रों की स्थापना, ऊर्जा की अत्यधिक खपत, तथा खनिज संसाधनों का दोहन-ये सभी प्रकृति पर अतिरिक्त दबाव डालते हैं।

मानव सभ्यता के विकास का इतिहास यदि देखा जाए तो यह स्पष्ट होता है कि हर नई तकनीक अपने साथ संभावनाओं और संकटों का एक द्वंद्व लेकर आती है। आज का समय भी इसी द्वंद्व से गुजर रहा है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता के रूप में विकसित हो रही नवीन तकनीक ने जीवन को सरल, तीव्र और सुविधाजनक बनाया है, किंतु इसके साथ ही यह मानवीय मूल्यों, नैतिकता और सामाजिक संतुलन के लिए एक गंभीर चुनौती भी बनकर उभर रही है।

जेल लोक अदालत का आयोजन 26 अप्रैल को

हरदा। शब्द सारांश। मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर के निर्देशानुसार एवं प्रधान जिला न्यायाधीश व अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण हरदा, श्री अरविंद रघुवंशी के मार्गदर्शन में 26 अप्रैल को जिला जेल, हरदा में जेल लोक अदालत का आयोजन किया जावेगा। जेल लोक अदालत के आयोजन का मुख्य उद्देश्य जेल में निरूद्ध बंदियों के लंबित प्रकरणों का त्वरित और सौहार्दपूर्ण निराकरण करना है, ताकि उन्हें शीघ्र न्याय मिल सके।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में 100 दिवसीय 'फ्री लाइव योग सत्र' का आयोजन

कलेक्टर जैन ने अधिकारियों को दिए निर्देश

हरदा। शब्द सारांश। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2026 की पूर्व देश व्यापी जनभागीदारी सुनिश्चित करने के उद्देश्य से '' 100 डेज फ्री लाइव योगा सेशन' कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। यह कार्यक्रम आयुष मंत्रालय के तहत मोरारजी देसाई राष्ट्रीय योग संस्थान द्वारा संचालित किया जा रहा है। इसका मुख्य लक्ष्य आम नागरिकों के दैनिक जीवन में योग को शामिल करना और स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। इस कार्यक्रम के तहत प्रतिभागियों के लिए 14 दिवसीय संरचित योग सत्र आयोजित किए जाएंगे। इच्छुक नागरिक और शासकीय कर्मचारी वेबसाइट लिंक - अथवा टोल फ्री नंबर 1800-315-7008 के माध्यमों से नि:शुल्क पंजीकरण कराकर ऑनलाइन प्रशिक्षण प्राप्त कर सकते हैं। कलेक्टर सिद्धार्थ जैन ने जिले के सभी विभाग प्रमुखों को आदेशित किया है कि वे स्वयं ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन कर ऑनलाइन योगाभ्यास करें तथा अपने अधीनस्थों की सहभागिता भी सुनिश्चित करें।

जनगणना 2027 के तहत स्वगणना की प्रक्रिया प्रारम्भ

हरदा। शब्द सारांश। मध्यप्रदेश में जनगणना 2027 के तहत 16 अप्रैल 2026 से स्व गणना का कार्य प्रारंभ हो गया है, जो 30 अप्रैल 2026 तक की अवधि में संपादित किया जाएगा। नागरिकों को स्व गणना की सुविधा के लिए एक समर्पित वेब पोर्टल https://se.census.gov.in के माध्यम से पहली बार यह सुविधा उपलब्ध कराई गई है। जनगणना 2027 के प्रथम चरण के तहत मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना का कार्य प्रगणकों द्वारा एक मई से 30 मई 2026 की अवधि में सम्पादित किया जाएगा, जिसके जिले में सफल संचालन के लिए तैयारियां तेज कर दी गई हैं। कलेक्टर एवं प्रमुख जिला जनगणना अधिकारी श्री सिद्धार्थ जैन ने जिले के सभी नागरिकों से अपील की है कि वे स्व गणना प्रक्रिया में सक्रिय रूप से भाग लें, इससे जिले की जनगणना का कार्य तेजी से पूर्ण हो सकेगा। स्वगणना की प्रक्रिया बहुत सरल है। इसे आसानी से पूर्ण किया जा सकता है।

स्व गणना प्रक्रिया - जनगणना 2027 में डिजिटल-प्रथम दृष्टिकोण अपनाया गया है। इसके तहत भौतिक मकान सूचीकरण अभियान (एचएलओ) शुरू होने से पहले 15 दिनों की वैकल्पिक ऑनलाइन स्व-गणना की सुविधा दी गई है। नागरिक 16 से 30 अप्रैल के बीच आधिकारिक पोर्टल https://se.census.gov.in पर जाकर अपने परिवार का विवरण ऑनलाइन दर्ज कर सकते हैं। इससे उन्हें एक विशिष्ट आईडी प्राप्त होगी, जो आगे की प्रक्रिया में सहायक होगी।

नागरिक स्व गणना के लिए आधिकारिक पोर्टल पर जाकर अपने राज्य का चयन करें और कैप्चा कोड दर्ज कर लॉगिन करें। परिवार के मुखिया का नाम, 10 अंकों का मोबाइल नंबर और ई मेल आई डी (वैकल्पिक) दर्ज करें।

इस समय यह ध्यान रखें कि परिवार के मुखिया का नाम बाद में बदला नहीं जा सकेगा। प्रत्येक परिवार के लिए केवल एक मोबाइल नंबर का उपयोग किया जा सकता है। इस प्रक्रिया के बाद अपनी पसंदीदा भाषा का चयन करें तथा पंजीकृत मोबाइल नंबर पर प्राप्त ओटीपी दर्ज करें। अपने जिले का चयन करें और पिनकोड के साथ अपने गांव, नगर, स्थानीय क्षेत्र की जानकारी भरें। इसके बाद मानचित्र (मैप) पर लाल मार्कर को खींचकर (ड्रैग कर) अपने आवासीय भवन के सटीक स्थान पर स्थापित करें एवं स्थान की पुष्टि करें। इससे प्रगणक को स्व गणना सत्यापन के लिए आपकी लोकेशन में पहुंचने में आसानी होगी।

उपरोक्त प्रक्रिया के बाद मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना की प्रश्नावली पूर्ण करें। प्रश्नों को समझने में सहायता के लिए टूलटिप्स, अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न तथा आवश्यक सूचना उपलब्ध है। इसके बाद पूर्व अवलोकन स्क्रीन का उपयोग कर दर्ज की गई सभी जानकारी की जांच करें। संशोधन के लिए वापस जाएं (बैक करें), बाद में प्रस्तुत करने के लिए ड्राफ्ट में सेव करें, या पुष्टि करें और सबमिट करें। सबमिट कर, अंतिम पुष्टीकरण के बाद डाटा में किसी प्रकार का संशोधन संभव नहीं होगा।

जनसुनवाई

अधिकारियों ने सुनी नागरिकों की समस्याएं

शब्द सारांश | हरदा

जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रीमती अंजली जोसेफ जोनाथन ने मंगलवार को जिला पंचायत के सभाकक्ष में आयोजित 'जनसुनवाई' कार्यक्रम में आए नागरिकों की समस्याएं सुनी और उपस्थित अधिकारियों को नागरिकों की समस्याओं के निराकरण के लिए निर्देश दिए। इस अवसर पर अपर कलेक्टर श्री पुरूषोत्तम कुमार, संयुक्त कलेक्टर सुश्री रजनी वर्मा, हरदा एसडीएम श्री अशोक डहेरिया, एसडीएम खिरकिया शिवांगी बघेल, टिमरनी एसडीएम संजीव नागू सहित अन्य जिला अधिकारी उपस्थित थे। जनसुनवाई में सोनल एग्रो वेयरहाउस मसनगांव के संचालक ने वेयरहाउस का किराया भुगतान न होने के संबंध में शिकायत की, जिस पर जिला आपूर्ति अधिकारी को मामले की जांच कर किराया भुगतान कराने के निर्देश दिये गये। जनसुनवाई में हर्षिता लक्ष्मीनारायण ने पोर्टल पर छात्रवृत्ति की राशि कम दिखाई देने के संबंध में शिकायत की, जिस पर सहायक संचालक पिछड़ा एवं अल्प संख्यक कल्याण विभाग को आवेदिका की समस्या का निराकरण कराने के निर्देश दिये गये। जनसुनवाई में ग्राम भायली निवासी नंदकिशोर बृजलाल ने आवेदन देकर पीएम किसान निधि व सीएम किसान निधि की राशि प्राप्त न होने के संबंध में शिकायत की, जिस पर तहसीलदार रहटगांव को आवेदक की समस्या का निराकरण कराने के निर्देश दिये गये। जनसुनवाई में आशाबाई घाटे ने नसबंदी ऑपरेशन फेल होने के बाद मुआवजा राशि प्राप्त न होने के संबंध में की, जिस पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी को आवेदिका की समस्या का निराकरण कराने के निर्देश दिये गये। मेदाबाई अंकले निवासी अबगांव खुर्द ने खेत पर जाने के रास्ते पर अतिक्रमण की शिकायत की, जिस पर तहसीलदार हरदा को मामले की जांच कर रास्ते से अतिक्रमण हटाने के निर्देश दिये। जनसुनवाई में सिराली निवासी अंजली मालवीय ने आवेदन देकर बीपीएल राशन कार्ड के लंबित आवेदन का निराकरण कराने की मांग की, जिस पर एसडीएम खिरकिया को आवेदिका की समस्या का निराकरण कराने के निर्देश दिये गये।

कृषि विज्ञान केंद्र हरदा की मूंग फसल उत्पादक किसानों को सलाह

शब्द सारांश | हरदा

कृषि विज्ञान केन्द्र के वैज्ञानिकों ने मंगलवार को ग्राम बालागांव में किसान के प्रक्षेत्र पर भ्रमण किया। इस दौरान किसान श्री राकेश गौर ने मूंग की फ़सल सुखने की समस्या से अवगत कराया, वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं केन्द्र प्रमुख डॉ. संध्या मुरे व डॉ ओमप्रकाश भारती ने खेत का नैदानिक भ्रमण किया और पाया कि जहां जल भराव की स्थिति है वहां कुछ पौधे सुख रहे हैं जो कि जड़ सड़न फफूंद रायजोटोनिया प्रजाति द्वारा होता है। उन्होने जड़ सड़न के प्रबंध हेतु सलाह दी कि ट्राईकोडरमा प्रजाती अथवा स्यूडोमोनास प्रजाती को 2-3 लीटर 1 क्विंटल गोबर के खाद में मिलाकार, 1 एकड़ हेतु बोनी के 15 दिन पहले नमी की उपस्थति में छायादार स्थान पर मिलकार रखें और नमी बनाय रखें इस मिश्रण को बोनी के पहले जुताई के साथ खेत में मिला दें तथा फफूंदनाशी द्वारा बीज उपचार करें, संक्रमण को आगे फेलने से रोकने के लिए टेबुकोनाज़ोल . सल्फर को 400 ग्राम प्रति एकड़ की दर से छेड़छाड़ करें। डॉ. मुरे ने जिले के अन्य किसानों को यह भी सलाह दी कि मूंग फसल में फूल आने से पहले अगर छोटी इल्ली और मच्छर दिखाई देते हैं तो उसके लिए बायफेन्थ्रीन 10 ईसी 200 एमएल प्रति एकड़ छिडकाव करें। इस संबंध में अधिक जानकारी के लिए कृषि विज्ञान केंद्र हरदा में संपर्क किया जा सकता है।

सशस्त्र सेना झंडा दिवस निधि में हरदा को प्रदेश में प्राप्त हुआ द्वितीय स्थान

महामहिम राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने कलेक्टर जैन को किया सम्मानित

हरदा। शब्द सारांश। लोक भवन, भोपाल में आयोजित समामेलित विशेष निधि प्रबंधन समिति की 25वीं वार्षिक बैठक में मध्यप्रदेश के जिलों की उत्कृष्ट उपलब्धियों को सम्मानित किया गया। बैठक की अध्यक्षता महामहिम राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने की। इस अवसर पर सशस्त्र सेना झंडा दिवस निधि वर्ष 2024-25 के अंतर्गत निर्धारित लक्ष्य से अधिक अनुदान राशि एकत्रित करने वाले जिलों को सम्मानित किया गया। इस दौरान हरदा जिले ने उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल करते हुए अपने निर्धारित लक्ष्य 2,75,900 रुपये के विरुद्ध 6,20,725 रुपये की राशि एकत्रित कर पूरे प्रदेश में द्वितीय स्थान प्राप्त किया। जिले की इस उत्कृष्ट उपलब्धि पर महामहिम राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने सिविल सेवा दिवस के अवसर पर कलेक्टर श्री सिद्धार्थ जैन को प्रशस्ति पत्र एवं ट्रॉफी प्रदान कर सम्मानित किया। कलेक्टर श्री सिद्धार्थ जैन ने इस अवसर पर बताया कि हरदा जिला ''झंडा दिवस निधि'' के लिये लक्ष्य से अधिक राशि संग्रहण के मामले में पिछले 11 वर्षों से लगातार प्रदेश में ''प्रथम तीन'' जिलों में शामिल रहकर यह सम्मान प्राप्त करता रहा है।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा गठित टीमों ने लोगों को बाल विवाह के प्रति किया गया जागरूक

शब्द सारांश | हरदा

जिले में बाल विवाह रोकने एवं बाल विवाह के प्रति लोगों में जागरूकता प्रसारित करने के उद्देश्य से गठित 08 लीगल एड टीमों ने गांव-गांव जाकर दूल्हे-दुल्हनों के आई.डी. कार्ड जांच कर बाल विवाह होने की संभावनाओं पर लगाई लगाम। मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर से प्राप्त निर्देशानुसार एवं प्रधान जिला न्यायाधीश व अध्यक्ष श्री अरविंद रघुवंशी तथा न्यायाधीश व सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्री चन्द्रशेखर राठौर के मार्गदर्शन में जिले में सोमवार को अक्षय तृतीया के अवसर पर विशेष एक दिवसीय बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के तहत ग्रामीण एवं अर्द्धशहरी क्षेत्रों में होने वाले बाल विवाह की रोकथाम एवं नालसा बच्चों के मैत्रीपूर्ण विधिक सेवाएं के आलोक में आमजनों को जागरूक करने के लिए पैरालीगल वॉलेंटियर्स और अधिवक्तागण की कुल 08 लीगल एड टीमों द्वारा गांव-गांव जाकर दौरा किया गया। सदस्यों ने जिला मुख्यालय हरदा, तहसील टिमरनी, खिरकिया, रहटगांव, हण्डिया में चिन्हित किए गए हाईरिस्क गांवों में जाकर, विवाह होने वाले घरों में परिवार के सदस्यों से मुलाकात की तथा उन्हें बाल विवाह के बारे में जानकारी दी। इस दौरान वर एवं वधु की उम्र के प्रमाणीकरण के संबंध में उनके दस्तावेजों की जांच भी की गई। परिवार में उपस्थित लोगों को जिले के स्थानीय प्रशासन, पुलिस, महिला एवं बाल विकास विभाग, बाल कल्याण समिति और जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के समन्वय से बाल विवाह मुक्त बनाने के लिए संचालित किए जा रहे कार्यक्रम की जानकारी दी गई। साथ ही बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम 2006 में बाल विवाह कराने वाले परिजनों एवं सेवा प्रदाताओं को 2 साल के कारावास एवं एक लाख रूपये जुर्माने के प्रावधान के बारे में अवगत कराया गया। बाल विवाह के खिलाफ लड़ाई में एक ऐतिहासिक मील का पत्थर बनने के लिए लोगों को जिला प्राधिकरण से जुड़ने की अपील की गई। आमजन में बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम 2006 के पंपलेट्स वितरित किए गए तथा लोगों को बताया गया कि यदि उन्हें उनके आसपास, बाल विवाह होने की जानकारी प्राप्त होती है तो वह तत्काल जिला स्तर पर संचालित कंट्रोल रूम में सूचित करें।

मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के तहत अबगांवखुर्द, टिमरनी व खिरकिया में सामूहिक विवाह कार्यक्रम

शब्द सारांश | हरदा

प्रदेश सरकार की महत्वाकांक्षी 'मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना' के तहत सोमवार को जिले के विभिन्न स्थानों पर आयोजित सामूहिक विवाह सम्मेलन में कुल 200 जोड़े परिणय सुत्र में बंधे। इस दौरान जनपद पंचायत हरदा द्वारा ग्राम अबगांवखुर्द में 29 जोड़े व नगर पालिका परिषद टिमरनी द्वारा कृषि उपज मण्डी टिमरनी में 151 जोड़ों का सामूहिक विवाह कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसी प्रकार नगर परिषद खिरकिया द्वारा 20 जोड़ों को सामूहिक निकाह कार्यक्रम आयोजित किया गया। टिमरनी के कृषि उपज मंडी प्रांगण में मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना अंतर्गत 151 जोड़ो का सामूहिक विवाह समारोह पूरी रीति नीति एवं विधि विधान से सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में रैन बसेरा रोड़ से घोड़े, बग्गी पर सवार होकर निकले दूल्हे राजाओं एवं उनके परिजनों ने बारात में हर्षोल्लास के साथ सामूहिक नृत्य किया तथा कार्यक्रम स्थल के मुख्य द्वार पर विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारीयो ने बारातियों का पुष्पवर्षा कर स्वागत किया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से पूर्व विधायक श्री संजय शाह, नगर परिषद अध्यक्ष श्री देवेंद्र भारद्वाज एवं पार्षद सुनील दुबे ने कार्यक्रम को संबोधित किया तथा नवविवाहित दंपत्तियों को सफल दांपत्य जीवन की शुभकामनाएं दी। कार्यक्रम में समाज सेवियों व जनप्रतिनिधियों ने नवविवाहित दंपत्तियों को उपहार भी वितरित किये। इस दौरान अतिथियों ने वर-वधु को विवाह प्रमाण पत्र एवं राशि के स्वीकृति पत्र प्रदान किए गए। इस अवसर पर समाजसेविका शैलजा शाह, नगर परिषद उपाध्यक्ष राजा कौशल, भाजपा जिला उपाध्यक्ष विनीत गीते, भाजपा जिला मंत्री निशा दुबे, भाजपा मंडल अध्यक्ष अतुल बारंगे, बलराम डूडी, एसडीएम संजीव कुमार नागू, तहसीलदार, थाना प्रभारी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी, पार्षदगण एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। नगर परिषद खिरकिया द्वारा आयोजित सामूहिक निकाह समारोह में 20 जोड़े परिणय सुत्र में बंधे। इस दौरान विधायक डॉ. आर.के. दोगने, पूर्व कृषि मंत्री श्री कमल पटेल तथा जनपद अध्यक्ष श्रीमती रानू दशरथ पटेल सहित अन्य जनप्रतिनिधियों ने नव दम्पत्तियों को आशीर्वाद प्रदान किया। इस दौरान अतिथियों ने वर-वधु को विवाह प्रमाण-पत्र तथा राशि के स्वीकृति पत्र भी प्रदान किये।

अवैध उत्खनन व परिवहन में संलग्न दो ट्रैक्टर ट्राली जप्त

हरदा। शब्द सारांश। कलेक्टर श्री सिद्धार्थ जैन के निर्देश में अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण की कार्यवाही लगातार जारी हैं। शनिवार को सहायक खनिज अधिकारी श्री चैनसिंह डामोर एवं खनिज निरीक्षक श्री देवेन्द्रसिंह की टीम ने आकस्मिक जांच के दौरान ग्राम छीपानेर में खनिज रेत का अवैध परिवहन करते हुए 2 ट्रैक्टर ट्राली पाई। इनके नंबर क्रमश: एमपी 47 एएच 3510 एवं ट्रैक्टर ट्राली डीजी ट्रैक 43 पीपीआई बिना नम्बर ब्लैक कलर चेचिस नंबर टी053776431एचपी है। ट्रैक्टरों में बिना वैद्य अभिबहन पास होने से वाहनों को चालक रामकृष्ण संगुले पिता महेश संगुले, निवासी - छीपानेर एवं संजय चौहान पिता मोहनलाल चौहान निवासी - तजपुरा से जप्त कर पुलिस चौकी करताना, थाना टिमरनी में सुरक्षार्थ खड़ा किया गया। ट्रैक्टरों के मालिक सुरेंद्र राजपूत निवासी छिपानेर एवं सतीश राजपूत निवासी छिपानेर हैं। दोनों ट्रैक्टरों के प्रकरण तैयार कर अपर कलेक्टर न्यायालय में प्रेषित किए जाएंगे एवं दोनों ट्रैक्टरों पर मध्यप्रदेश खनिज (अवैध खनन परिवहन तथा भंडारण का निवारण) नियम 2022 के प्रावधान के तहत कार्यवाही प्रस्तावित की जावेगी एवं अवैध उत्खनन, परिवहन पर कार्यवाही सतत जारी रहेगी।

प्रतिस्पर्धा के युग में स्वंय की प्रतिभा को निखारें विद्यार्थी: कलेक्टर

हरदा। शब्द सारांश। कलेक्टर श्री सिद्धार्थ जैन ने कहा कि प्रतिस्पर्धा के युग में विद्यार्थियों को स्वयं की प्रतिभा निखारना जरूरी है। इसके लिए वह पूरी मेहनत के साथ अध्ययन करें। साथ ही अपने उज्ज्वल कैरियर के लक्ष्य पर फोकस करें। श्री जैन शनिवार को कलेक्ट्रेट में आयोजित जिला स्तरीय मेधावी विद्यार्थी सम्मान समारोह को संबोधित कर रहे थे। समारोह में 10वीं एवं 12वीं बोर्ड कक्षा में राज्य तथा जिले की प्राविण्य सूची में स्थान पाने वाले 15 छात्र छात्राओं एवं उनके अभिभावकों को सम्मानित किया गया। अपने संबोधन में कलेक्टर ने आगे कहा कि महाविद्यालयों में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थी स्वयं में बेहतर तार्किक क्षमता विकसित करें। साथ ही अध्ययन के लिए चयनित विषयों को अपने जेहन में उतारें। अध्ययन में पूर्णता लाने के लिए अपने विषय से संबंधित ज्यादा से ज्यादा प्रश्न पूछने की क्षमता विकसित करें। दसवीं कक्षा उत्तीर्ण विद्यार्थी अपनी रूचि के बिषय का चयन करें । उन्होंने कहा कि प्रावीण्य सूची में अव्वल स्थान पाने वाले विद्यार्थियों को किंडल ई बुक रीडर भी प्रदान की जाएगी। इस बुक रीडर से विद्यार्थियों को उपयोगी किताबों को अध्ययन करने में मदद मिलेगी। साथ ही विद्यार्थियों के लिए कैरियर काउंसलिंग सत्र आयोजित कर उन्हें बेहतर कैरियर निर्माण के लिए आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान किया जाएगा। कलेक्टर ने कहा कि विद्यार्थी एडवांस कोडिंग एवं एआई कोर्सेज से जरूर जुड़ें।

डॉ. गुर्जर डेंटल क्लीनिक

फिक्स दांत, रूट केनाल इलाज, आडे-तिरछे दांतो का 100 प्रतिशत इलाज

डॉ. मनीष गुर्जर (बी.डी.एस. , डी.पी.एच.)

पता:- सरकारी हास्पिटल के पास, हरदा म.प्र. मोबाइल नं. - 7509850234

आई.टी.सी.एल. कम्प्यूटर सेन्टर

कम्प्युटर से संबधित सभी प्रकार के कोर्स कराये जाते है एवं कम्प्युटर सुधारने एवं बेचने के कार्य किये जाते है

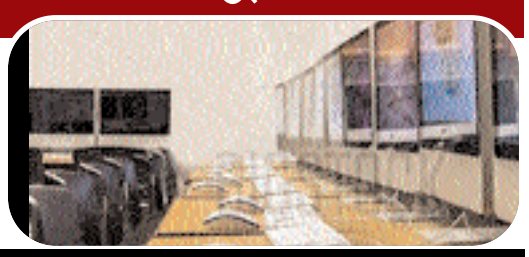

दीपक कुमार नेमा (संचालक)

पता: - काशीबाई कन्याशाला के सामने, हरदा म.प्र. मोबाइल नं.- 9993117760

भोपाल समेत 7 जिलों में बनेंगे 19 नए पुल और फ्लाईओवर

मप्र को ट्रैफिक जाम से मिलेगी मुक्ति...एमपीआरडीसी ने विशेषज्ञ एजेंसियों से डीपीआर तैयार करने हेतु मांगे टेंडर

भोपाल। मध्य प्रदेश रोड डेवलपमेंट कार्पोरेशन (एमपीआरडीसी) द्वारा प्रदेश में ट्रैफिक सुधार के प्रयास के क्रम में अब सडक परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय के मानकों के अनुरूप स्टेट हाईवे और मेजर डिस्ट्रिक्ट रोड (एमडीआर) पर 19 पुल-फ्लाईओवर तैयार कराए जाएंगे। ये पुल व फ्लाईओवर ग्वालियर सहित प्रदेश के सात जिलों में तैयार किए जाएंगे। इनमें ग्वालियर में एक, भोपाल में चार, छिंदवाड़ा में एक, धार में सात, इंदौर में दो, शहडोल में दो और उज्जैन में दो पुल व फ्लाईओवर प्रस्तावित किए गए हैं। इनमें से कुछ फ्लाईओवर केंद्र सरकार व राज्य सरकार ने स्वीकृत कर रखे हैं और कुछ स्वीकृति की प्रत्याशा में हैं। ऐसे में एमपीआरडीसी के अधिकारियों ने इन फ्लाईओवर के निर्माण से पहले डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार करने की प्रक्रिया शुरू की है। इसके लिए विशेषज्ञ एजेंसी चयन के टेंडर मांगे गए हैं। प्रमुख जिलों में प्रस्तावित निर्माण कार्य भोपाल में सुल्तानपुरा-नकतारा रोड स्टेट हाईवे 19 पर दो हाई लेवल ब्रिज का निर्माण प्रस्तावित है। इसके अलावा बरखेड़ा बाइपास और भोजपुरा-मकसूदनगढ़ रोड पर भी पुलों का निर्माण प्रस्तावित किया गया है। छिंदवाड़ा जिले में सिवनी-कटंगी रोड पर खिडकी घाट के पास एक हाई लेवल ब्रिज का निर्माण प्रस्तावित है, जिसकी डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट अब तैयार कराई जाएगी। धार जिले में थांदला-लिमड़ी रोड स्टेट हाईवे 64 पर पांच हाई लेवल ब्रिज तैयार किए जाएंगे। इसके अलावा पाटी-बोकराता रोड पर हाई लेवल ब्रिज के साथ ही झाबुआ-रायपुरिया रोड को टू लेन व पेव्ड शोल्डर भी किया जाएगा। ग्वालियर, इंदौर, शहडोल और उज्जैन की योजनाएं ग्वालियर के डबरा-भितरवार-हरसी रोड पर 600 मीटर लंबा फोरलेन आरओबी तैयार किया जाएगा। इसे केंद्र सरकार से भी स्वीकृति मिल गई है। इंदौर में सनावद-खरगौन रोड पर बेडिया बाइपास को भी टू लेन करने के साथ ही ओंकारेश्वर-सनावद पर काम कराया जाएगा। शहडोल जिले में सतना-मैहर-बरही रोड और रीवा-शहडोल रोड पर हाई लेवल ब्रिज का निर्माण प्रस्तावित किया गया है। उज्जैन जिले में सोनकच्छ-गंधर्वपुरी रोड पर हाई लेवल ब्रिज और जावरा-नयागांव रोड पर पिपलियामंडी चौपाटी के पास फोरलेन फ्लाईओवर का निर्माण प्रस्तावित किया गया है।

ड्रोन के सहारे चंबल राज घाट पर निगरानी

सुप्रीम कोर्ट के दखल के बाद सख्ती

- नदी किनारे टेंट लगाकर पहरेदारी करेंगे एसएएफ के 93 जवान

भोपाल। सुप्रीम कोर्ट की सख्ती के बाद चंबल नदी से अवैध रेत उत्खनन रोकने के लिए जिला प्रशासन ने कड़े कदम उठाए हैं। प्रशासन को 93 सदस्यीय एसएएफ की एक कंपनी मिली है, जो चंबल नदी के किनारे टेंट लगाकर 24 घंटे पहरेदारी और पेट्रोलिंग करेगी। इसके अलावा राजघाट पर निगरानी के लिए ड्रोन कैमरे भी छोड़े गए हैं। वर्तमान में माइनिंग, राजस्व, वन और पुलिस विभाग की टास्क फोर्स ने संयुक्त रूप से राजघाट सहित अन्य व्यवस्थाओं का निरीक्षण कर गश्त शुरू कर दी है। चंबल नदी में अवैध रेत उत्खनन रोकने में विफलता पर सुप्रीम कोर्ट ने मध्य प्रदेश, राजस्थान और उत्तर प्रदेश सरकारों को फटकार लगाई थी। कोर्ट ने रेत उत्खनन न रुकने पर अर्धसैनिक बल तैनात करने के निर्देश दिए थे। इसके बाद जिला प्रशासन को एसएएफ के 93 जवानों की बटालियन मिली है, जिसे अलग-अलग स्थानों पर तैनात किया गया है। चंबल राजघाट पर बड़े स्तर पर रेत का उत्खनन किया जा रहा था। इसे रोकने के लिए बल तैनात करने के साथ-साथ प्रशासन ने 2 ड्रोन कैमरे भी लगाए हैं, जिनसे नजर रखी जा रही है। प्रशासन जल्द ही ड्रोन कैमरों की संख्या भी बढ़ाएगा। चंबल अभयारण्य देवरी के अधीक्षक श्याम सिंह चौहान के अनुसार, वन, पुलिस और राजस्व विभाग की जिला टास्क फोर्स संयुक्त रूप से सभी पॉइंट पर पहुंचकर निगरानी कर रही है। चंबल नदी किनारे और राजघाट पर संयुक्त गश्त जारी है। फिलहाल वहां किसी तरह की कोई हलचल नहीं दिखी है।

4 पॉइंट पर हुई तैनाती

जवानों की तैनाती राजघाट से लेकर रेत मंडी तक 4 पॉइंट पर हुई है। पहला पॉइंट चंबल राजघाट और अल्ला बेली चौकी (चंबल पुल) पर 50 जवान तैनात किए गए हैं। ये टेंट लगाकर नदी किनारे तीन शिफ्ट में पेट्रोलिंग ड्यूटी करेंगे। दूसरा पॉइंट सिकरौदा नहर पर टेंट लगाया गया है। यहां से देवगढ़ थाना क्षेत्र के गुढ़ा, नंदपुरा, डाबरपुरा और बारबासिन घाटों से रेत निकालकर परिवहन किया जाता है। यहां 4-1 का गार्ड तैनात रहेगा। तीसरा पॉइंट वन विभाग के डिपो और चेक पोस्ट पर 12 गार्ड मौजूद रहेंगे। ये नेशनल हाईवे से गुजरने वाले वाहनों पर निगरानी रखेंगे। चौथा पॉइंट शहर में डीएफओ कार्यालय के पास हाईवे पर लगने वाली रेत मंडी में 4-1 का सुरक्षा गार्ड पेट्रोलिंग करेगा। इनके अलावा, 93 एसएएफ जवानों में से 12-12 सुरक्षा गार्ड अंबाह और सबलगढ़ गेम रेंज को दिए गए हैं।

अब खेती-किसानी की निगरानी पूरी तरह डिजिटली

- हर 15 मिनट में मौसम और बारिश की जानकारी सरकार को मिलेगी

भोपाल। मप्र में सरकार की कोशिश है कि खेती-किसानी की निगरानी पूरी तरह डिजिटली की जाए। इसकी वजह यह है कि हर साल प्राकृतिक आपदा से खेती-किसानी को काफी नुकसान हो रहा है। इसलिए प्रदेश सरकार ने राज्य की सभी 23,634 ग्राम पंचायतों में ऑटोमैटिक रेन गेज और सभी 444 तहसीलों में ऑटोमैटिक वेदर स्टेशन स्थापित करने की बड़ी योजना शुरू की है। इस काम के लिए कृषि विभाग ने निविदा जारी कर कार्यान्वयन भागीदारों से आवेदन मांगे हैं। इस सिस्टम की सबसे बड़ी विशेषता यह होगी कि अब मौसम और बारिश का सटीक डेटा हर 15 मिनट में सीधे सरकार के पोर्टल पर अपडेट होगा, जिससे सूखे और अतिवृष्टि जैसी स्थितियों की रियल-टाइम रिपोर्टिंग संभव हो सकेगी। इस महत्वाकांक्षी परियोजना को केंद्र और राज्य सरकार के साझा सहयोग से जमीन पर उतारा जा रहा है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, एक ऑटोमैटिक रेन गेज की स्थापना पर लगभग 35,000 से 40,000 रूपए और तहसील स्तर के वेदर स्टेशन पर 1.5 लाख से 2 लाख तक का खर्च आने का अनुमान है। प्रदेश की 24,000 से अधिक लोकेशन्स को कवर करने के लिए इस पूरे प्रोजेक्ट पर करीब 100 करोड़ से 120 करोड़ रूपए का निवेश किया जाएगा। भारत सरकार इस कुल लागत का 50 प्रतिशत हिस्सा वायबिलिटी गैप फंडिंग के रूप में प्रदान करेगी, जबकि बाकी की राशि राज्य सरकार और चयनित एजेंसियां वहन करेंगी। इस सिस्टम से कृषि विभाग को आपदा प्रबंधन और खेती की बेहतर रणनीतियां बनाने में मदद मिलेगी। किसानों के लिए इसका सबसे बड़ा लाभ यह होगा कि उन्हें अपने गांव के लिए सटीक मौसम सलाह मिल सकेगी, जिससे वे फसल की बुवाई और सिंचाई का सही समय तय कर सकेंगे। बीमा कंपनियों और किसानों के बीच डेटा को लेकर होने वाले विवाद भी अब समाप्त होंगे, क्योंकि भुगतान का आधार सीधे गांव का डेटा होगा।

70 विधानसभा सीटों पर मोर्चा संभालेंगे मंत्री

कमजोर सीटों के लिए भाजपा ने बनाई मिशन 2028 के लिए रणनीति

***भोपाल।** मप्र में विधानसभा की सभी 230 सीटें जीतने का लक्ष्य तय कर भाजपा ने मिशन 2028 के लिए रणनीति बनाई है। इसके तहत भाजपा कमजोर सीटों पर सबसे अधिक फोकस करेगी। अपनी इस रणनीति के तहत ऐसी करीब 70 सीटों को चिह्नित कर भाजपा न सिर्फ संगठनात्मक गतिविधियों को अभी से बढ़ा दिया है बल्कि इन क्षेत्रों में मंत्रियों को भी तैनात करने का निर्णय लिया है। पार्टी की रणनीति के अनुसार कमजोर सीटों पर भाजपा को मजबूत करने की जिम्मेदारी मंत्रियों को देकर उन्हें वहां निरंतर रात बिताने और बैठकें करने का निर्देश दिया गया है। उन्हें हार के कारणों का अध्ययन करने और उन्हें दूर करने के लिए मजबूत रणनीति बनाने को कहा गया है। ऐसी कई सीटों पर कांग्रेस अपने जिन दिग्गज नेताओं के प्रभाव के कारण मजबूत है, उनका किला भी भेदने की रणनीति पर काम किया जा रहा है। मप्र भाजपा का सबसे मजबूत गढ़ है। वहीं कांग्रेस भी अन्य राज्यों की अपेक्षा मजबूत है। ऐसे में भाजपा ने राज्य की उन विधानसभा क्षेत्रों में अपना जनाधार बढ़ाने के प्रयास शुरू कर दिए हैं, जहां भाजपा कमजोर है या फिर वहां विपक्षी दल का विधायक लगातार चुनाव जीत रहा है। इसके लिए जिलों के प्रभारी मंत्रियों को विधानसभा मुख्यालयों में रात्रि बिताने एवं वहां चौपाल लगाने को कहा गया है। गौरतलब है कि भाजपा ने पिछले दिनों एक आतंरिक सर्वे के बाद अपनी ऐसी लगभग 70 विधानसभा सीटों को चिह्नित किया है, जहां पर उनका जनाधार पहले से नीचे गिरा है। जिसे निकाय और त्रि स्तरीय पंचायती राज चुनावों से पहले सुधारने के लिए रणनीति तय कर दी है।*

पतंग लूटने के चक्कर में तालाब में गिर 7 साल का मासूम

रेस्क्यू टीम रात से ही बच्चे को तलाश में जुटी

गाजियाबादः अंकुर विहार थाना क्षेत्र के डाबर तालाब शमशान घाट के तालाब में रविवार शाम करीब पांच बजे सात साल का मासूम आतिफ गिर गया। देर रात तक घर ना पहुंचने पर परिवार के लोगों ने तलाश किया तो घटना का पता चला। लोगों की सूचना पर पहुंची पुलिस और रेस्क्यू टीम ने रात में ही रेस्क्यू अभियान चलाया। देर रात तक मासूम ना मिलने पर रेस्क्यू रोक दिया गया।

मूल रूप से देवबंद के रहने वाले आरिफ परिवार के साथ लोनी के बुध नगर कॉलोनी में रहते हैं। वह नहर रोड पर स्थित स्टेचू बनाने की फैक्टरी में काम करते हैं। परिवार में पत्नी खुशनुमा, बड़ा बेटा आतिफ, मोहम्मद कैफ और छोटी बेटी परी हैं। उन्होंने बताया कि रविवार को वह काम पर नहीं गए थे। तबीयत खराब होने पर घर में ही आराम कर रहे थे। शाम करीब

पोने पांच बजे वह सो कर उठे। उन्होंने अपने बड़े बेटे आतिफ से दूध मंगाया। आतिफ घर में दूध देखा चला गया था। आतिफ कॉलोनी स्थित सरकारी स्कूल में दूसरी क्लास में पढ़ रहा है। इसके बाद आतिफ घर नहीं लौटा।

आतिफ शाम करीब 6 बजे ट्यूशन जाता है। परिवार के लोगों को लगा की आतिफ ट्यूशन चला गया। ट्यूशन के बाद भी जब घर नहीं पहुंचा तो परिवार के लोग ट्यूशन सेंटर आतिफ को तलाशते हुए पहुंचे। स्टेशन में पता चला आतिफ ट्यूशन नहीं आया। उसके बाद परिवार के लोग आतिफ को तलाश में के लिए निकल पड़े। जगह-जगह सीसीटीवी कैमरे देखने लगे।

श्मशान घाट के पास लगे सीसीटीवी कैमरे में आतिफ शमशान घाट के अंदर तालाब की तरफ जाता हुआ नजर आया। तभी आसपास के दूसरे बच्चों ने भी बताया आतिफ पतंग लुटता हुआ तालाब के अंदर की तरफ गया था। इसके बाद वह बाहर नहीं आया। परिजनों ने घटना की जानकारी पुलिस को दी। सूचना पाकर पुलिस और अग्निशमन विभाग की टीम मौके पर पहुंची। नगर पालिका की टीम में जेसीबी की मदद से आतिफ को तलाशना शुरू किया। रात करीब 1:30 बजे तक आतिफ नहीं मिला। अंधेरे के चलते रेस्क्यू अभियान सुबह करीब 7 बजे फिर से शुरू किया गया। आतिफ के न मिलने पर परिजनों में रोष है।

जमीन के नाम पर प्रॉपर्टी डीलर से 1.05 करोड़ ठगे

फरीदाबाद। सेक्टर-58 थाना क्षेत्र में जमीन बेचने के नाम पर प्रॉपर्टी डीलर से एक करोड़ पांच लाख रुपये ठग लिए गए। जालसाजों ने किसी अन्य व्यक्ति की कीमती जमीन दिखाकर फर्जी इकरारनामा कर लिया और भारी रकम वसूल ली। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर नौ नामजद आरोपियों के खिलाफ 18 अप्रैल को धोखाधड़ी की प्राथमिकी दर्ज कर ली है। गांव जाजरू निवासी दीपक डागर ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि आरोपी कविंद्र, धर्मवती, भूपेंद्र, विजय, अज्जू, परवीन, टीटू, मनोज कौशिक और राज कुमार कश्यप ने नोएडा के पास मेन रोड की एक कीमती जमीन दिखाई। आरोपियों ने खुद को जमीन का मालिक बताकर 12 अक्तूबर 2022 को दीपक के साथ इकरारनामा किया। आरोपियों ने अलग-अलग किस्तों में एक करोड़ पांच लाख रुपये ले लिए, जिसमें से 30 लाख रुपये बैंक ट्रांसफर और 75 लाख नकद दिए गए थे। बाद में जांच करने पर पता चला कि वह जमीन आरोपियों की थी ही नहीं और उन्होंने किसी अन्य की जमीन दिखाकर फर्जी कागजात तैयार किए थे। जब दीपक ने अपने पैसे वापस मांगे, तो आरोपियों ने उन्हें अवैध हथियार दिखाकर जान से मारने की धमकी दी।

दिल्ली बनेगी चिप कैपिटल: सेमीकंडक्टर पॉलिसी से खुलेंगे रोजगार के दरवाजे, युवाओं के लिए सुनहरा सिग्नल

नई दिल्ली : दिल्ली सरकार ने सेमीकंडक्टर पॉलिसी का ड्राफ्ट तैयार करना शुरू कर दिया है। इसका मकसद दिल्ली को चिप डिजाइन, रिसर्च, पैकेजिंग और हाईटेक उद्योगों का बड़ा केंद्र बनाना है। इससे तकनीक के क्षेत्र में बड़े पैमाने पर नौकरियों के अवसर मिलेंगे जिससे युवाओं के लिए रोजगार के दरवाजे खुलेंगे।

दिल्ली सरकार की ओर से मिली जानकारी के अनुसार मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व में सेमीकंडक्टर पॉलिसी का ड्राफ्ट तैयार करने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। यह नीति सिर्फ दिल्ली नहीं बल्कि पूरे देश के लिए अहम मानी जा रही है। क्योंकि इससे रोजगार, निवेश और तकनीकी विकास को नई रफ्तार मिलने की उम्मीद है। सरकार का लक्ष्य है कि राजधानी को सेमीकंडक्टर डिजाइन, उन्नत अनुसंधान, नवाचार और असेंबल गतिविधियों का मजबूत केंद्र बनाया जाए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सेमीकंडक्टर आज वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए अहम कड़ी है। मोबाइल फोन, लैपटॉप, कार, मेडिकल उपकरण, रक्षा तकनीक और डिजिटल सिस्टम से लेकर रोजमर्रा की कई चीजें इसी पर निर्भर है। उन्होंने कहा कि यह नीति प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आत्मनिर्भर भारत विजन के अनुरूप होगी और देश में सेमीकंडक्टर सेक्टर के विकास में दिल्ली की सक्रिय भूमिका होगी।

पांच बड़े क्षेत्रों पर रहेगा फोकस

सरकार के मुताबिक, प्रस्तावित नीति में पांच प्रमुख क्षेत्रों पर फोकस रहेगा। इनमें पहला क्षेत्र सेमीकंडक्टर डिजाइन और बौद्धिक संपदा विकास है। दूसरा, रिसर्च एंड डेवलपमेंट और इनोवेशन को बढ़ावा देना, तीसरा, विनिर्माण से जुड़ी गतिविधियां जैसे असेंबल, टेस्टिंग, मार्किंग और पैकेजिंग यानी एटीएमपी तथा ओएसएटी इकाइयों का विकास, चौथा, युवाओं के लिए स्किल डेवलपमेंट और टैलेंट तैयार करना और पांचवां, स्टार्टअप और औद्योगिक इकोसिस्टम को मजबूत बनाना

होगा।

दिल्ली में नौकरियों के अवसर

इस नीति का सबसे बड़ा फायदा रोजगार के क्षेत्र में होगा। सरकार का मानना है कि चिप डिजाइन, रिसर्च, एडवांस पैकेजिंग, टेस्टिंग और टेक सपोर्ट जैसे क्षेत्रों में बड़ी संख्या में नई नौकरियों के दरवाजे खुलेंगे। इंजीनियरिंग, आईटी, इलेक्ट्रॉनिक्स, डाटा, मशीन डिजाइन और प्रबंधन से जुड़े युवाओं को खास फायदा मिल सकता है। इसके अलावा प्रशिक्षण कार्यक्रम, इंटर्नशिप और उद्योग-शैक्षणिक संस्थानों की साझेदारी के जरिए छात्रों को सीधे उद्योग से जोड़ा जाएगा।

निवेशकों के लिए बनेगा बेहतर माहौल

सरकारी नीति के तहत निजी निवेश बढ़ाने पर जोर है। इसके लिए पूंजीगत सब्सिडी, आधारभूत ढांचे का विकास, परिचालन लागत कम करने और कारोबार आसान बनाने जैसे कदम प्रस्तावित हैं। घरेलू और विदेशी कंपनियों को दिल्ली में निवेश के लिए आकर्षित करने की तैयारी है। सरकार का मानना है कि यदि डिजाइन, पैकेजिंग और टेस्टिंग सेक्टर में बड़े निवेश आते हैं तो उससे सहायक उद्योग भी तेजी से बढ़ेंगे। इससे छोटे और मध्यम उद्योगों को भी नया बाजार मिलेगा।

देश के लिए क्यों अहम है यह नीति

सेमीकंडक्टर आज डिजिटल अर्थव्यवस्था की रीढ़ है। मोबाइल से लेकर रक्षा उपकरण तक हर आधुनिक तकनीक में इसकी मांग बढ़ा रही है। ऐसे में दिल्ली इस क्षेत्र में मजबूत नीति लाती है तो इसका असर देशभर में दिख सकता है। उन्होंने भरोसा जताया कि नीति लागू होने के बाद दिल्ली में मजबूत, नवाचार आधारित और टिकाऊ सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम विकसित होगा।

बजरंग दल के कार्यकताओं ने चश्मा कंपनी के शोरूम पर किया हंगामा

मोदीनगर। बजरंग दल के कार्यकताओं ने दिल्ली-मेरठ मार्ग स्थित नामचीन चश्मा कंपनी के शोरूम पर रविवार को नारेबाजी करते हुए हंगामा किया। आरोप लगाया कि चश्मा कंपनी ने सनातन विरोधी काम किया है। कर्मचारियों के तिलक लगाने और कलावा बांधने पर प्रतिबंध लगाया है। कार्यकताओं ने शोरूम के कर्मचारियों को तिलक लगाया और कलावा बांधा। बजरंग दल के विभाग संयोजक मधुर नेहरा और निशांत त्यागी कार्यकताओं के साथ रविवार दोपहर दिल्ली मेरठ मार्ग पर डॉ. केएन मोदी कॉम्प्लेक्स स्थित एक नामचीन चश्मा कंपनी के शोरूम पर पहुंचे। शोरूम पर हंगामा और नारेबाजी कर प्रदर्शन किया। कार्यकताओं का आरोप है कि कंपनी ने महिला कर्मचारियों की मांग में सिंदूर भरने पर भी प्रतिबंधित लगा रखा है। हंगामे की सूचना पर पुलिस भी पहुंच गई। इस अवसर पर बंटी, रामकुमार, आदित्य शर्मा, गौरव, वीशू त्यागी, मोहित, आकाश पांचाल, दक्ष नागर और दीपक आदि मौजूद थे।

मोबाइल फोन की दुकान में चोरी, घटना सीसीटीवी में कैद

गाजियाबाद। दीनागढ़ी क्षेत्र में मोबाइल फोन की दुकान में चोरी का मामला आया है। शिकायतकर्ता के अनुसार घटना सीसीटीवी में कैद हो गई है। मामले में पुलिस आयुक्त के आदेश पर 15 दिन बाद रिपोर्ट दर्ज की गई है। पीड़ित का आरोप है कि थाना पुलिस ने सुनवाई नहीं की थी, जिस पर उन्होंने पुलिस आयुक्त से गुहार लगाई। घटना सिहानी गेट थाना क्षेत्र में तीन अप्रैल को हुई थी। दीनागढ़ी निवासी केशव दत्त कर्दम ने पुलिस को बताया कि वह दोपहर करीब ढाई बजे दुकान से खाना खाने के लिए घर गए थे। करीब साढ़े तीन बजे अज्ञात व्यक्ति दरवाजा खुला पाकर दुकान में घुस गया। इसके बाद दुकान से पांच मोबाइल फोन और पांच ईयर बड गायब मिले । इसकी सूचना डायल 112 को दी गई तो मौके पर पहुंची पुलिस टीम ने थाने या चौकी जाने के लिए कहा। वहां जाने पर सुनवाई नहीं हुई। ऐसे में पीड़ित ने पुलिस आयुक्त से गुहार लगाई। एसीपी नंदग्राम जियाउद्दीन अहमद ने बताया कि आरोपी की तलाश की जा रही है।

चोरी के इरादे से आया आरोपी और बच्ची को देख किया अगवा

इंदिरापुरम। थानाक्षेत्र स्थित झुग्गी झोपड़ी में सो रही सात वर्ष की मासूम बच्ची को अगवा कर दुष्कर्म का आरोपी वारदात के बाद आधा घंटे तक झुग्गी में रहा। आरोपी ने झुग्गी में रखे 11 हजार रुपये और एक मोबाइल फोन चोरी कर लिया। इसके बाद जब वह झुग्गी से भागा तो मासूम की चीख निकली। इसके बाद परिजन उठे और घटना का पता चला। 18 अप्रैल की देर रात पुलिस मुठभेड़ के दौरान दोनों पैर में गोली लगने के बाद फरूखाबाद के सुतनापुर गांव निवासी अल्फाजुद्दीन उर्फ भालू गिरफ्तार हुआ।एसीपी इंदिरापुरम अभिषेक श्रीवास्तव ने बताया कि 15 अप्रैल की रात आरोपी अल्फाजुद्दीन चोरी के इरादे से झुग्गी में दाखिल हुआ था। उस समय बच्ची, उसके माता-पिता और तीन भाई गहरी नींद में सो रहे थे। आरोपी ने बच्ची को देखा तो उठाकर पास के ही पार्क में ले गया और दुष्कर्म की वारदात की। इसके बाद वह बच्ची को वापस झुग्गी में छोड़ने गया तो वहां पर मोबाइल फोन और 11 हजार रुपये की नकदी मिली। परिजन की आहट के बाद आरोपी के जाने के बाद ही बच्ची चिल्लाई। इसके बाद परिजन जागे। पुलिस ने 16 अप्रैल के बाद छानबीन शुरू की तो पास की बिल्डिंग पर लगे सीसीटीवी कैमरों से तीन फुटेज मिलीं। पहली फुटेज में आरोपी झुग्गी में दाखिल होता और पांच मिनट बाद बच्ची को कंधे पर उठाकर ले जाता दिखा है। आधा घंटे बाद आरोपी वापस बच्ची को लाते हुए दिखाई दिया। बच्ची पैदल ही आरोपी के साथ झुग्गी में जा रही थी।

कंपनी के स्टोर कक्ष से 40 किग्रा कॉपर पाइप चोरी

साहिबाबाद। लिंकरोड के औद्योगिक क्षेत्र साइट चार स्थित आनंद मैसर्स रेफ्रिजेशन प्राइवेट लिमिटेड के स्टोर कक्ष से चोरों ने कॉपर पाइप चोरी कर लिया। कंपनी के प्रशासनिक अधिकारी अनूप छिब्बर की तहरीर पर पुलिस ने 18 अप्रैल की रात प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू की है। उन्होंने बताया कि सात अप्रैल की रात अज्ञात चोर ने कंपनी से 30 हजार के 40 किग्रा कॉपर पाइप चोरी कर लिए। एसीपी साहिबाबाद श्वेता यादव ने बताया कि आरोपी की तलाश की जा रही है। टीम लगी है, जल्द गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

राजधानी में बिना पीयूसी दौड़ रही हैं सरकारी गाड़ियां, 60 का चालान; रिपोर्ट NGT के पास

नई दिल्ली: राजधानी में सरकारी वाहनों की लापरवाही से प्रदूषण बढ़ने का मामला सामने आया है। राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) में दाखिल रिपोर्ट के अनुसार, दिल्ली सरकार की कई गाड़ियां बिना वैध प्रदूषण प्रमाणपत्र (पीयूसी) के सड़कों पर दौड़ रही हैं।

इस नियम उल्लंघन पर 60 वाहनों के चालान भी किए जा चुके हैं। दिल्ली परिवहन विभाग के संयुक्त आयुक्त मुकेश की ओर से प्रस्तुत रिपोर्ट में बताया गया कि नवंबर 2024 में जब याचिका दायर हुई थी, तब अधिकांश सरकारी वाहनों के पास पीयूसी नहीं था। हालांकि बाद में कुछ वाहनों ने प्रमाणपत्र बनवा लिया, लेकिन अब भी कई गाड़ियां बिना पीयूसी के संचालन में हैं।

रिपोर्ट में यह भी सामने आया कि कुछ पुराने वाहनों को कंडेम्न कर उनका पंजीकरण रद्द किया जा चुका है या उन्हें स्क्रैप किया गया है। इसके बावजूद कई बीएस-3 और बीएस-4 श्रेणी के वाहन अब भी उपयोग में हैं, जो अधिक प्रदूषण फैलाते हैं और वायु गुणवत्ता पर नकारात्मक असर डालते हैं।

मामले की गंभीरता को देखते हुए दिल्ली सरकार

के सामान्य प्रशासन विभाग (जीएडी) ने 7 अप्रैल 2026 को सख्त आदेश जारी किए हैं। सभी विभागों, बोर्ड, निगम और सरकारी संस्थानों को निर्देश दिया गया है कि बिना वैध पीयूसी वाली गाड़ियों का किसी भी सरकारी कार्य में उपयोग न किया जाए। यह निर्देश किराए और आउटसोर्स वाहनों पर भी समान रूप से लागू होंगे।

वाहनों का पीयूसी रिन्यू कराने के निर्देश-

सभी विभागों को 10 अप्रैल 2026 तक अपने वाहनों का पीयूसी रिन्यू कराने के निर्देश दिए गए हैं और इसकी जिम्मेदारी संबंधित विभागाध्यक्षों को सौंपी गई है। यह पूरा मामला केंद्रीय मोटर वाहन नियम, 1989 के नियम 115 से जुड़ा है, जिसमें हर वाहन के लिए वैध प्रदूषण प्रमाणपत्र अनिवार्य है।

याचिकाकर्ता जितेंद्र महाजन ने उठाए गए इस मुद्दे में 106 सरकारी वाहनों की सूची भी रिपोर्ट में शामिल है। इनमें कई वाहन 10 से 15 साल पुराने हैं, जो अब भी सड़कों पर चल रहे हैं। ऐसे में राजधानी में बढ़ते प्रदूषण के बीच यह मामला प्रशासनिक जवाबदेही और सख्त निगरानी की जरूरत को उजागर करता है।

गर्मी के मौसम में पहनने के लिए जरूर चुने ये

स्टाइलिश फुटवियर पैरों को मिलेगी राहत

गर्मी का मौसम में अधिकतर महिलाएं हल्के आउटफिट के साथ कंफर्टेबल फुटवियर पहनना पसंद करती हैं। अगर आप भी उन्हीं महिलाओं में से एक है, जो गर्मी के मौसम में एकदम कुल रहना चाहती हैं, तो यह खबर आपके लिए है। आज हम आपको ऐसे स्टाइलिश फुटवियर डिजाइंस बताएंगे, जो न सिर्फ आपको मॉडर्न लुक देंगे, बल्कि इन फुटवियर को पहनकर आप कंफर्टेबल भी महसूस कर सकेंगी।

अगर आप भी गर्मी के मौसम में पहनने के लिए खूबसूरत फुटवियर तलाश रही हैं, तो आपके लिए यह फुटवियर डिजाइन एक बेस्ट ऑप्शन हो सकती है। आप इसे अपने एथेनिक वियर के साथ पेयर कर सकती है। यह फुटवियर आपके पैरों की खूबसूरती में भी चार चांद लगा सकता है। इस फुटवियर को आप ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों जगह से खरीद सकती हैं।

ऐंकल लूप फ्लैट सैंडल

अगर आप अपने पैरों की खूबसूरती में चार चांद लगाना चाहती हैं, तो आपके लिए यह ऐंकल लूप फ्लैट सैंडल फुटवियर भी एक बेस्ट ऑप्शन हो सकता है। इस फुटवियर को आप ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों जगह से खरीद सकती हैं। यह न सिर्फ आपके पैरों को खूबसूरत बनाएगी, बल्कि इसे पहनकर आप आरामदायक भी महसूस कर सकती हैं।

स्ट्रैपी वेज हील्स

अगर आप गर्मी के मौसम में ऑफिस या किसी इवेंट में कंफर्टेबल फुटवियर पहन कर जाना चाहती हैं, तो अब आपको परेशान होने की जरूरत नहीं है। आपके लिए यह स्ट्रैपी वेज हील्स फुटवियर भी बेस्ट ऑप्शन हो सकता है। आप इसे ट्राई कर अपने पैरों की खूबसूरती में चार चांद लगा सकती हैं। यह फुटवियर आपको ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों जगह मिल जाएगा।

टेक्सचर्ड लेदर ओपन टो फ्लैट्स

गर्मी के मौसम में अगर आप भी स्टाइलिश फुटवियर की तलाश कर रही हैं, तो अब आपको परेशान होने की जरूरत नहीं है। आप यह खूबसूरत स्टाइलिश टेक्सचर्ड लेदर ओपन टो फ्लैट्स फुटवियर ट्राई कर सकती है। इसे पहनकर आप न सिर्फ अपने लुक को कंप्लीट करेंगी, बल्कि यह आपको एलिगेंट टच भी दे सकता है। इस फुटवियर को आप ऑनलाइन या ऑफलाइन खरीद सकती हैं। इस फुटवियर को आप अपने ऑफिस या दोस्तों के साथ घूमने जाते वक्त भी पहन सकती हैं।

अब महिलाएं सिर्फ घर नहीं संभालती

बदलते समय और समाज की सोच के साथ अब महिलाओं ने भी अपनी जिम्मेदारियों का दायरा बढ़ा लिया है। अब केवल महिलाएं घर की जिम्मेदारी नहीं संभालती, बल्कि लोन पेमेंट से लेकर कई बड़े काम भी करती हैं।

हमेशा से महिलाओं को घर-गृहस्थी की जिम्मेदारियों को संभालने के लिए जाना जाता रहा है और अक्सर फाइनेंशियल और लीडरशिप की भूमिकाओं में उनकी भागीदारी को सीमित माना जाता रहा है। हालांकि, पिछले कुछ सालों में भारतीय महिलाओं में एक पॉजिटिव बदलाव देखने को मिला है। अब महिलाएं न केवल अपने घर को संभालती हैं, बल्कि फाइनेंस मैनेजमेंट की जिम्मेदारी भी उठा रही हैं। साथ ही, वे एंटरप्रेन्योरशिप, कॉरपोरेट लीडरशिप, बैंकिंग और पॉलिटिक्स जैसे दूसरे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में भी अपनी उत्कृष्टता साबित कर रही हैं। नीति आयोग की एक रिपोर्ट के अनुसार, पिछले 5 सालों में भारत में लोन लेने वाली महिलाओं की संख्या 22 फीसदी की सालाना दर से बढ़ी है। महिलाओं ने 42 फीसदी पर्सनल लोन अपनी जरूरतों को पूरा करने के लिए लिया हुआ है। वहीं, 'फॉम बॉरोवर्स टू बिल्डर्स' वीमन रोल इन इंडिया फाइनेंशियल ग्रोथ स्टोरी नाम की रिपोर्ट में बताया गया है कि 3 फीसदी महिलाओं ने बिजनेस लोन, 42 फीसदी महिलाओं ने पर्सनल लोन, कंज्यूमर लोन और होम लोन लिया है और 38 फीसदी महिलाओं ने गोल्ड गिरवी रखकर लोन लिया है। रिपोर्ट में ये भी कहा गया कि महिलाएं अब क्रेडिट स्कोर काफी चेक करने लगी हैं और लोन लेने वाली महिलाओं में करीब 60 फीसदी महिलाएं कस्बों और ग्रामीण इलाकों से हैं।

महिलाएं लोन डिफॉल्टर कम

साल 2023 में भारत में कुल लोन में 17 फीसदी की बढ़ोत्तरी हुई थी, जिसमें महिलाओं ने पुरुषों को पछाड़ दिया था। दिलचस्प बात यह है कि महिलाएं लोन चुकाने में ज्यादा भरोसेमंद साबित हुई हैं, क्योंकि केवल 3.4 फीसदी महिला एंटरप्रेन्योर्स लोन डिफॉल्टर रहीं, जबकि पुरुषों की डिफॉल्ट दर 4.6 फीसदी से अधिक रही।

जीवन बीमा खरीदने में आगे

मैक्स लाइफ द्वारा किए गए एक सर्वे में पता चला था कि 79 फीसदी कामकाजी महिलाओं के पास जीवन बीमा पॉलिसी है, जबकि 76 फीसदी पुरुषों के पास पॉलिसी है। हमेशा से महिलाएं वित्तीय सुरक्षा के मामले में पुरुषों से बेहतर रही हैं।

भारतीय महिलाएं परिवार की सुरक्षा को प्राथमिकता देती हैं

पॉलिसी बाजार के सर्वे के अनुसार, 2023-24 में 25 लाख रुपये से अधिक कवरेज वाली हेल्थ पॉलिसी खरीदने वाली महिलाओं की संख्या बढ़कर 24 फीसदी हो गई, जबकि 2022-23 में यह आंकड़ा 15 फीसदी था। वहीं, दूसरी तरफ 25 लाख रुपये से कम कवरेज वाली हेल्थ पॉलिसी लेने वाली महिलाओं की संख्या में कमी पाई गई है। इससे पता चलता है कि शहर में रहने वाली कामकाजी महिलाएं अपने परिवार को किसी भी परेशानी से बचाने के लिए ज्यादा सतर्क रहती हैं।

स्टार्टअप्स में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी

महिलाओं द्वारा स्थापित स्टार्टअप्स के मामले में दिल्ली एनसीआर सबसे आगे है। अब तक करीब 2000 महिला नेतृत्व वाले स्टार्टअप्स को इन्वेस्टर्स मिल चुके हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार, टेक्निकल सेक्टर्स में महिलाओं द्वारा स्थापित स्टार्टअप्स की हिस्सेदारी 18 फीसदी से अधिक है, जबकि फंडिंग स्टार्टअप्स में महिला एंटरप्रेन्योर्स की भागीदारी 14 फीसदी से ज्यादा है। वहीं, भारत में महिला एंटरप्रेन्योर्स द्वारा शुरू किए गए स्टार्टअप्स की संख्या 8,000 से अधिक हो चुकी है।

MSMEs में बढ़ी महिला कर्मचारियों की भागीदारी

एक सर्वे से पता चला है कि महिलाओं द्वारा चलाए जा रहे सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों ने पुरुषों की तुलना में 11 फीसदी अधिक महिला कर्मचारियों को रोजगार दिए हैं। वुमेन लीडरशिप वाले स्वास्थ्य में नौकरी पाने वालों में से एक-तिहाई महिलाएं हैं। केवल रोजगार देने के मामले में महिला एंटरप्रेन्योर्स आगे नहीं हैं, बल्कि उनके द्वारा संचालित MSMEs की मंथली इनकम में भी 12% की वृद्धि दर्ज की गई है। यह आंकड़ा दर्शाता है कि महिला एंटरप्रेन्योर्स न केवल आर्थिक रूप से आगे बढ़ रही हैं, बल्कि अन्य महिलाओं के लिए भी नए रोजगार के अवसर पैदा कर रही हैं।

घर खरीदने में बढ़ी महिलाओं की भागीदारी

एनारॉक द्वारा जुलाई-दिसंबर 2024 के बीच किए गए सर्वे से पता चला कि 78 फीसदी भारतीय महिलाएं घर अपने रहने के लिए खरीदती हैं, जबकि केवल 22 फीसदी महिलाएं इसे इन्वेस्टमेंट के रूप में देखती हैं। वहीं, साल 2024 में हुआ सर्वे बताता है कि 74 फीसदी महिलाएं रहने के लिए घर खरीदी थीं, जबकि 26 फीसदी ने निवेश के रूप में लिया था। हालांकि, अब महिलाएं रियल एस्टेट में इन्वेस्ट करने में रुचि दिखा रही हैं और साल दर साल उनकी संख्या में वृद्धि देखने को मिल रही है।

जिला ब्यूरो चाहिए

आवश्यकता है प्रदेश के होशंगाबाद, नरसिंहपुर, सागर, टीकमगढ़, दमोह, पन्ना, सतना, रीवा, मंडला, इंदौर, भोपाल, शहडोल, उमरिया, अनूपपुर, बालाघाट, छिंदवाड़ा, खंडवा, उज्जैन, बुरहानपुर, रतलाम, नीमच, मंदसौर, रायसेन, छतरपुर, ग्वालियर, दतिया, गुना, शिवपुरी अशोकनगर, राजगढ़, अलीराजपुर, बड़वानी, झाबुआ मे जिला ब्यूरो की ---- सम्पर्क करें।

रामकुमार नेमा, संपादक शब्द सारांश

पता:- आस्था कुंज बादर विहार कालोनी इंदौर रोड हरदा मोबाइल नं. - 9993173191

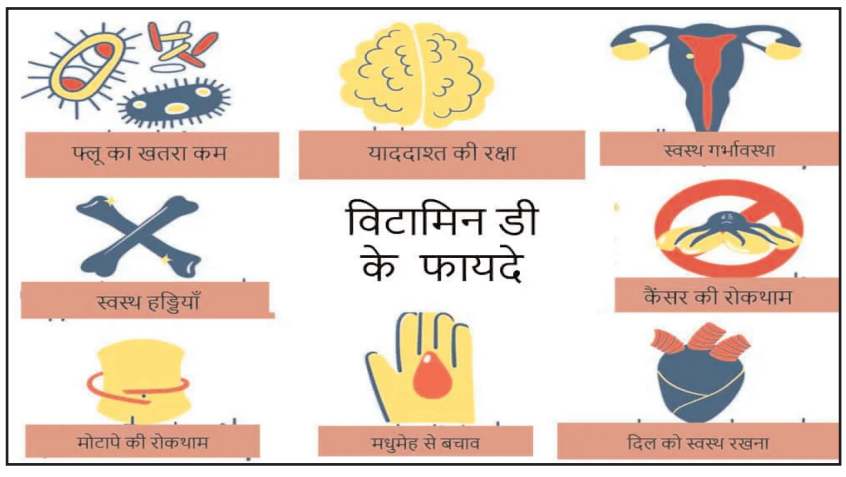

मकान रजिस्ट्री विवाद में पति-पत्नी की हत्या, बेचने वाले ने दिया वारदात को अंजाम

मुरादाबाद। एक सनसनीखेज और दिल दहला देने वाली वारदात सामने आई है. जहां महज ?24000 के विवाद में एक पति-पत्नी की बेरहमी से हत्या कर दी गई. घटना सिविल लाइंस थाना क्षेत्र के चक्कर की मिलक इलाके की है. जहां सोमवार रात करीब 8 बजकर 50 मिनट पर पड़ोसी ने अपने साथियों के साथ मिलकर इस खौफनाक वारदात को अंजाम दिया और मौके से फरार हो गया.

राजा ने करीब एक साल पहले अपने पड़ोसी फहीम से एक कमरे का मकान खरीदा था. मकान 2 लाख 24 हजार रुपये में तय हुआ. जिसमें से राजा ने 2 लाख रुपये देकर मकान पर कब्जा ले लिया था. लेकिन फहीम ने मकान की रजिस्ट्री नहीं की थी. आरोप है कि फहीम अब 24 हजार रुपये की बजाय 40 हजार रुपये की मांग कर रहा था और उसी के बाद मकान की रजिस्ट्री कराने की बात कह रहा था. इसी बढ़ी हुई रकम को लेकर दोनों पक्षों के बीच तनाव लगातार बना हुआ था. मृतकों की पहचान राजा और उसकी पत्नी फराह के रूप में हुई है, जिन्हें चाकुओं से ताबड़तोड़ वार कर मौत के घाट उतार दिया गया. इसी रकम को लेकर दोनों पक्षों के बीच तनाव बढ़ता गया और रविवार को भी मारपीट हुई थी. आरोप है कि इसी रंजिश में सोमवार रात फहीम ने अपने साथियों के साथ मिलकर दंपति पर हमला कर दिया. घटना की सूचना मिलते ही पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया. एसएसपी सतपाल अंतिल तुरंत मौके पर पहुंचे, जबकि कुछ देर बाद डीआईजी मुनिराज ने भी घटनास्थल का जायजा लिया. फिलहाल आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है. एसएसपी ने बताया कि हमलावरों ने सिर से लेकर पेट तक कई वार किए, जिससे दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए. आरोपी दंपति की मौत होने तक चाकुओं से हमला करते रहे. जबकि घटना के दौरान घर में मौजूद राजा के छोटे-छोटे बच्चों की चीख-पुकार गूंजती रही. हमले के दौरान फराह की गोद से मासूम बच्चा भी छिटककर जमीन पर गिर गया था. पुलिस का कहना है कि परिजनों की तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

ऑनलाइन मंगाए जूते को पहले पहनने की होड़ में गई जान, परिवार में पसरा मातम

महराजगंज। उत्तर प्रदेश के महराजगंज जिले से एक बेहद मार्मिक और दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है. जिसने रिश्तों की संवेदनशीलता और गुस्से के खतरनाक अंजाम पर भी सवाल खड़े कर दिया है. यहां के घुघली थाना क्षेत्र के चौमुखा गांव के नौका टोला में सोमवार को एक मामूली विवाद ने ऐसा भयावह रूप ले लिया कि सगे भाइयों का रिश्ता हमेशा के लिए टूट गया.

दरअसल बड़े भाई सूरज शर्मा ने ऑनलाइन एक नया जूता मंगवाया था. तभी छोटा भाई लक्ष्मण उसे पहले पहनने की जिद करने लगा. इसी बात को लेकर दोनों भाइयों के बीच कहासुनी शुरू हो गई. देखते ही देखते यह मामूली बहस झगड़े में बदल गई और बात हाथापाई तक पहुंच गई. प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक गुस्से में अपना आपा खो बैठे सूरज ने पास में रखी कैंची उठा ली और छोटे भाई लक्ष्मण पर ताबड़तोड़ हमला कर दिया. उसने सिर और हाथ पर कई वार किए, जिससे लक्ष्मण लहूलुहान होकर मौके पर ही गिर पड़ा. इस हमले के बाद घर का माहौल चीख-पुकार से गूंज उठा और परिवार के लोग सदमे में आ गए. घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और गंभीर रूप से घायल लक्ष्मण को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र घुघली ले जाया गया. हालत नाजुक देखते हुए डॉक्टरों ने उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया, लेकिन वहां पहुंचते ही चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया. यह खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया और पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई. गांव के लोग इस घटना से स्तब्ध हैं. किसी को यकीन नहीं हो रहा कि एक छोटी सी बात के लिए भाई की हत्या की जा सकती है. घुघली थानाध्यक्ष कुंवर गौरव सिंह ने बताया कि अभी तक किसी पक्ष से लिखित तहरीर नहीं मिली है.

बारात कैंसिल, दूल्हे को लेकर चली पंचायत, प्रेमिका का जोरदार हंगामा

यूपी। ताजनगरी आगरा के शमसाबाद और डौकी क्षेत्र में सोमवार को एक शादी समारोह उस वक्त अखाड़े में तब्दील हो गया, जब बारात चढ़ने से ठीक पहले दूल्हे की कथित प्रेमिका ने मौके पर पहुंचकर भारी हंगामा खड़ा कर दिया। तीन साल से रिलेशनशिप में होने का दावा करने वाली युवती ने दूल्हे पर शादी का वादा उससे करने और कहीं और बारात लेकर जाने का आरोप लगाया। युवती न केवल दूल्हे के घर बल्कि शादी स्थल (मैरिज होम) पर भी पहुंची और शादी रुकवा दी। मामला पुलिस तक पहुंचने के बाद देर रात तक थाने में पंचायत चलती रही।

मामला शमसाबाद थाना क्षेत्र के एक गांव का है। यहां के एक युवक की शादी सोमवार को तय थी। उसकी बारात थाना डौकी क्षेत्र के एक गांव में जानी थी। दूल्हे के घर में बारात की की तैयारियां जोरों पर थीं, बैंड-बाजे बज रहे थे और परिजन खुशियां मना रहे थे। इसी बीच पास के ही गांव की रहने वाली एक युवती अपनी मां और कुछ ग्रामीणों के साथ दूल्हे के दरवाजे पर धमक पड़ी। युवती का आरोप था कि वह युवक के साथ पिछले तीन वर्षों से प्रेम संबंध (रिलेशनशिप) में है और युवक ने उससे शादी का वादा किया था।

हथियार लेकर बदमाश पहुंचे ज्वेलरी दुकान, 20 लाख के गहने ले गए

पटना। अक्षय तृतीया के दिन बिहार की राजधानी पटना में दिनदहाड़े ज्वेलरी शॉप में हुई लूट की वारदात ने सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं. घटना रामकृष्ण नगर थाना क्षेत्र स्थित भारत गैस गोदाम गली की है, जहां बेखौफ पांच अपराधियों ने हथियार के बल पर 'श्री लक्ष्मी अलंकार ज्वैलर्स' में घुसकर लूटपाट की. अपराधियों ने दुकानदार को पिस्टल की बट से मारकर घायल कर दिया और करीब 20 लाख रुपये के सोने-चांदी के जेवरात लेकर फरार हो गए. पूरी वारदात दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई.

घटना दोपहर करीब 1 बजकर 45 मिनट की बताई जा रही है. पुलिस के अनुसार पांच अपराधी दो बाइकों पर सवार होकर पहुंचे थे. दुकान में घुसते ही उन्होंने हथियार निकाल लिए और वहां मौजूद दुकानदार व ग्राहकों को पिस्टल की नोक पर बंधक बना लिया. उस समय दुकान के अंदर तीन ग्राहक मौजूद थे, जिन्हें एक कोने में कब्जे में कर लिया गया.

दुकानदार धनंजय कुमार ने बताया कि अपराधियों ने हेलमेट पहन रखा था ताकि उनकी पहचान छिपी रहे. विरोध करने पर अपराधियों ने बेरहमी दिखाते हुए उनके सिर पर पिस्टल की बट से हमला किया, जिससे वे घायल हो गए. घायल हालत में ही उन्होंने दुकान से बाहर कूदकर सड़क पर शोर मचाया, जिसके बाद अपराधी तेजी से मौके से फरार हो गए.

दुकानदार के अनुसार अपराधी करीब 20 लाख रुपये के सोने-चांदी के गहने लूटकर ले गए. लूटे गए सामान में लगभग 100 ग्राम सोने के जेवर और करीब 3 किलो चांदी के गहने शामिल हैं. हथियार लहराते हुए अपराधी बड़ी आसानी से फरार हो गए. सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की. घटना का एक चौंकाने वाला पहलू भी सामने आया. बताया गया कि दुकान में बैठी कुछ महिलाओं ने भी इस लूट की अफरातफरी का फायदा उठाया. जब अपराधी भाग गए तो उन्होंने दुकान में रखे सोने-चांदी के कुछ जेवर चुरा लिए और बाद में बेहोशी का नाटक करने लगीं. यह पूरा घटनाक्रम भी सीसीटीवी कैमरे में रिकॉर्ड हो गया है.

पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज को कब्जे में लेकर जांच तेज कर दी है. फुटेज के आधार पर अपराधियों की पहचान की जा रही है. पुलिस अधिकारियों का कहना है कि सभी पहलुओं की जांच की जा रही है और लूट में शामिल हर व्यक्ति की पहचान कर कार्रवाई की जाएगी. वहीं, घटना को लेकर राष्ट्रीय जनता दल नेता तेजस्वी यादव ने ङ्क पर पोस्ट करते हुए लिखा है कि पटना में सोने की बड़ी लूट! बिहार में जैसे ही बीजेपी के मुख्यमंत्री ने पद संभाला है, अपराधियों की तो मौज हो गई है!

गुरुद्वारे के सामने हिंसक लड़ाई, चाकूबाजी से 11 लोग घायल

जर्मनी। मोएर्स में एक गुरुद्वारे के बाहर रविवार को 40 से ज्यादा लोगों के बीच में हिंसक झड़प हो गई है। इस लड़ाई में हमलावरों ने पेपर स्प्रे, चाकू और कृपाण से एक-दूसरे पर हमला कर दिया। जर्मन मीडिया के मुताबिक गुरुद्वारे के प्रबंधन को लेकर दो पक्षों के बीच में यह झगड़ा हुआ था, इसमें 11 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं।

जर्मन अखबार बिल्ड की रिपोर्ट के मुताबिक यह टकराव रविवार दोपहर को हल्की बहस बाजा के साथ शुरू हुआ था, लेकिन देखते ही देखते इसने हिंसक रूप ले लिया। घटनास्थल पर मौजूद लोगों के मुताबिक, दोनों पक्षों के बीच में विवाद शुरू हुआ। एक पक्ष के लोग पहले से ही लड़ाई के लिए तैयार थे। उनके पास पेपर स्प्रे और चाकू थे। इन लोगों ने पहले पेपर स्प्रे का उपयोग किया उसके बाद फिर चाकूओं से हमला करना शुरू कर दिया। कथित तौर पर इस दौरान किसी ने फायरिंग भी की।

रिपोर्ट्स के मुताबिक मोएर्स के गुरुद्वारे में हुई हिंसा को समुदाय के भीतर नेतृत्व को लेकर चल रही लड़ाई का परिणाम माना जा रहा है। यहां पर मुख्य विवाद इस बात को लेकर है कि गुरुद्वारे की मुख्य कमेटी के ऊपर किसका प्रभुत्व रहेगा। इस मामले पर ज्यादा जानकारी देते हुए स्वतंत्र पत्रकार रविंद्र सिंह रोबिन ने एक्स पर पोस्ट किए एक वीडियो में बताया कि यह झड़प गुरुद्वारे की गोलक (दान पेटी) को लेकर विवाद और पहले की प्रबंधन समिति द्वारा दोबारा नियंत्रण हासिल करने की कोशिश के कारण हुई।उन्होंने बताया कि दोनों पक्षों के बीच में हुई इस हिंसा से गुरुद्वारे में मौजूद भक्त घबरा गए और वहां से भागने लगे। एक गवाह ने बताया कि इस दौरान कई लोग गुरुद्वारे से बाहर निकल आए। जर्मनी की पुलिस के मुताबिक इस घटना में अभी तक 11 लोगों के गंभीर रूप से घायल होने की खबर है।

कारतूस लोड करते समय चली गोली से युवक की मौत

बिहार। बिहार में नालंदा जिले के बिंद थाना क्षेत्र के अमावा गांव में रविवार रात एक तिलक समारोह की खुशी तब मातम में बदल गई, जब हर्ष फायरिंग के लिए बंदूक में गोली लोड करते समय ही गोली चल गई और एक युवक की मौत हो गई। घटना के बाद समारोह में अफरा-तफरी की स्थिति उत्पन्न हो गई। पुलिस अब मामले की जांच कर रही है। बताया गया कि मृतक की पहचान सरमेरा थाना क्षेत्र के गौसनगर के रहने वाले छोटू कुमार के रूप में हुई है। परिजनों के मुताबिक सात दिन बाद छोटू की भी शादी होने वाली थी। पुलिस के एक अधिकारी ने सोमवार को बताया कि घटना उस समय हुई, जब छोटू अपने दोस्त मंटू कुमार के तिलक समारोह में अमावा गांव गया था। समारोह के कारण उत्सव का माहौल था। कार्यक्रम स्थल पर छोटू अपने दोस्तों के साथ स्टेज पर नाच रहा था। नाचते-नाचते उसने अपनी जेब से देसी कट्टा निकाला और उसे लहराने लगा। नाचते हुए जब वह हथियार में गोली लोड करने की कोशिश कर रहा था, तभी अचानक ट्रिगर दब गया और गोली उसे जा लगी। आनन-फानन में छोटू को तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस भी घटनास्थल पहुंचकर मामले की जांच में जुट गई। बताया गया कि छोटू दिल्ली में रहकर कुछ काम करता था और शादी के कारण ही घर आया था। पुलिस फिलहाल उस हथियार को बरामद करने का प्रयास कर रही है, जिससे गोली चली थी। घटनास्थल पर फोरेंसिक साइंस लेबोरेटरी की एक टीम को भी बुलाया गया है। पुलिस के मुताबिक, छोटू कुमार का आपराधिक गतिविधियों का इतिहास रहा है।

ससुर की हत्या को छुपा नहीं पाई जहर देने वाली बहू, खुद ही 6 महीने बाद उगल दिया राज

यूपी। गोरखपुर में एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। यहां एक शख्स की मौत के छह महीने बाद उसकी बहू ने खुद सामने आकर हत्या करने का दावा किया। महिला ने पुलिस को दी तहरीर में दावा किया उसने प्रेमी के कहने पर ससुर को जहर दिया था। प्रेमी ने कहा था कि यह दवा ससुर को खिलाओं तीन दिन बाद मौत हो जाएगी। उस समय मौत को बीमारी से हुई बताकर अंतिम संस्कार कर दिया था। इस कबूलनामे पर जब पुलिस ने बताया कि वह हत्या की मुल्जिम बन रही है तो दावे से पलट गई और प्रेमी के खिलाफ दुष्कर्म की तहरीर दी। फिर इस पूरे मामले की एक नई कहानी सामने आई। जब महिला ने ससुर को जहर देकर मारने की बात कही तो पुलिस हैरान रह गई, क्योंकि अब तक इस मामले में हत्या का कोई संदेह सामने नहीं आया था। महिला ने पुलिस को बताया कि उसकी अंतरात्मा उसे लगातार कचोट रही थी, इसलिए सच्चाई उजागर करने का फैसला किया। महिला की तहरीर के अनुसार वह खुद हत्या की मुल्जिम बन रही थी जबकि प्रेमी साजिशकर्ता। पुलिस ने जब यह बात महिला को बताई तो वह पलट गई। इसके बाद पुलिस ने जांच की तो पूरा मामला दुष्कर्म का निकला। इसके बाद महिला ने दुष्कर्म की तहरीर दी।

चौरीचौरा की महिला ने अपनी दूसरी तहरीर में बताया कि अक्टूबर 2025 की रात रितेश पुत्र हरिलाल यादव ने उसका हाथ पकड़ लिया। चिल्लाई तो मुंह बंद करके जबरदस्ती शारीरिक संबंध बनाते हुए एक लड़के से वीडियो बनवा लिया। आरोप है कि वीडियो को दिखाते हुए कई बार जबरन शारीरिक संबंध बनाता रहा। नवंबर में वह उसके बच्चे का मां बनने वाली थी। जब रितेश को यह पता चला तो दवा खिलाकर गर्भपात करा दिया। उसके बाद संबंध बनाने से मना करने पर जान से मारने की की धमकी देते हुए हुए जाति सूचक शब्द का प्रयोग किया।

स्वत्वाधिकारी, संपादक, मुद्रक, प्रकाशक रामकुमार नेमा की ओर से दिशागोचर पब्लिकेशन 26 बी प्रेस कॉम्पलेक्स, भोपाल से मुद्रित तथा आस्था कुंज बादर विहार कॉलोनी, होटल मानसरोवर के पास इंदौर रोड हरदा से प्रकाशित। संपादक - रामकुमार नेमा। मो.- email:ramnema81@gmail.com (सभी विवादों का न्यायक्षेत्र हरदा रहेगा।)